

आज का सुविचार

खुशी और गम एक
दूसरे के समांतर चलते
हैं जब एक शांत होता है
तो दूसरा भी शिथिल
पड़ जाता है

क्या जनता के वाहनों को अपनी इच्छा के स्कैप डीलर से स्कैप करवा कर, उनका पैसा भी अपने पास रख लेना, भारत के कानून के तहत है? ...

इसका अर्थ क्या माने,
परिवहन आयुक्त ने जनता
के वाहन अपने प्रिय बाहरी
राज्यों में पंजीकृत वाहन
स्ट्रैप डीलरों को इसी लिए पद
की ताकत का दुरुपयोग कर
सुपुर्द करवाए थे ।

संजय बाटला, संपादक, परिवहन
विशेष न्यूज

उनका पैसा भी अपने पास रख लेना भारत के कानून के तहत है।
? बड़ा सवाल जनता के वाहनों के पैसे परिवहन आयुक्त ने स्कूप डीलरों द्वारा अपने बैंक खाते में जमा करवाए और जनता को नहीं दिए, आखिर क्यों?
दिल्ली परिवहन आयुक्त द्वारा अपने प्रायः बाहरी राज्यों में पंजीकृत वाहन स्कूप डीलरों को अपने पद की ताकत का प्रयोग कर जनता के वाहनों को उठाकर सुपुर्द कर देना और उन वाहनों के पैसे स्कूप



डीलरो द्वारा परिवहन आयुक्त के नाम से चल रहे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बैंक खाते संख्या में जमा करवा लेना वह भी इसलिए क्योंकि परिवहन आयुक्त के प्रिय स्कूप डीलरो ने जनता को स्कूप वाहनों के पैसे नहीं दिए।

जानकारी के अनुसार जनता के वाहनों के नाम के पैसे वाहन मालिकों को ना देकर स्कूप डीलरों ने परिवहन आयुक्त के कहने पर परिवहन आयुक्त के बैंक खाते में जमा करवा दिए हैं पर परिवहन आयुक्त द्वारा यह सूचना ना तो वाहन मालिकों को दी गई और ना ही उनके

वाहनों के पैसे वाहन मालिकों को दिए।
इसका अर्थ क्या माने, परिवहन आयुक्त ने जनता के वाहन अपने प्रिय बाहरी राज्यों में पंजीकृत वाहन स्कूप डीलरों को इसी लिए पद की ताकत का दुरुपयोग कर सुपुर्द करवाए थे जिससे जनता के वाहनों

के पैसे उनके खाते में आए
अब कृप्या दिल्ली के उपराज्यपाल,
मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री, परिवहन
मंत्री, न्यायिक मंत्री और शीर्ष
अदालत यह बताएं की क्या यह
न्यायिक है।
और परिवहन आयुक्त के पद पर
विराजमान अधिकारी द्वारा जनहित

दिल्ली में अगले माह से दौड़ने लगेंगी मोहल्ला बसें, पहले चरण में उतरेंगी 200 गाड़ियां

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्लीवासी दिसंबर में मोहल्ला बसे योजना की सुविधा को लाभ ले सकेगी। डीटीसी अगले महीने से इस सेवा को शुरू करने जा रहा है। पहले फेज में 200 मोहल्ला बसें सड़कों पर उतरेंगी। इससे बाद इन्का बेड़ा बढ़ाया जाएगा। करीब नौ मीटर लंबी इन बसें को भीड़भाड़ व संकरी सड़कों पर चलाया जाना है। इससे लोह आग्नी आर्जिम मॉजिल तक पहुंच सकेगी। अधिकारियों का कहना है कि योजना के तहत मोहल्ला बस सेवा के लिए 2,080 लो प्लानर एसी इलेक्ट्रिक बसें आणीं। इसमें स करीब 1,040 बसें को निविदा आवॉर्टित कर दी गई है। इससे पहले बीते दिन परिवहन विभाग की इलेक्ट्रिक बस निमाता कंपनियों के साथ बैठक हुई थी। इसमें 200 बसें की पहली खेप दिसंबर में लाने की समझति बनी है। इन बसों का रंग नीला व हरा होगा। नई बसे योजना के मागीं और परिचालन विषेशताओं पर निग्य लेने के लिए परिवहन मंत्री ने एक तकनीकी समिति का गठन किया गया था। समेटी ने जना के फीडबैक के आधार पर कस्ट सर्वे पर कर लिया है। इन बसे के लिए



बड़े पैमाने पर पार्किंग और चार्जिंग का बुनियादी
 ढांचा तैयार किया जा रहा है। 127 बस डिपो में
 चार्जिंग सुविधा होगी। अधिक से अधिक लोग
 योजना का लाभ अधिकारियों के
 अनुसार, मोहल्ला बसें घंटी आवादी और कम
 चौड़ी वाली सड़कों पर चलेंगी। जहां पर 12
 मीटर व सड़क और लंबी बसें नहीं जा सकती
 हैं। मोहल्ला बसें मेट्रो स्टेशन, अस्पताल आदि
 जगहों पर यात्रियों को सुविधा देंगी। साथ ही इन
 बसें में महिला यात्रियों से डीटीसी की सामान्य

बसों की तरह कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। बसों के चलने के लिए रूट करीब-करीब तय कर लिया गया है। इसके साथ ही दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में सार्वजनिक बैठकें कर और रूटों के बारे में जानकारी जुटाई जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि विभाग की कोशिश है कि मोहल्ला बस सुविधा का अधिक से अधिक लोग लाभ ले सकें। सरकार ने बजट में किया था एलान दिल्ली सरकार 2023-24 के बजट भाषण में मोहल्ला बस

योजना का एलान किया था। इसका मकसद दिल्ली के लोगों को लास्ट माइल कनेक्टिविटी मुहैया कराना था। सरकार का मानना है कि घरेलू के नजदीक सार्वजनिक परिवहन की सुविधा मिलने से लोग निजी वाहनों का इस्तेमाल कम करेंगे। इससे सड़कों पर ट्रैफिक कम होगा और प्रदूषण में भी कमी आने की उम्मीद है। अभी 200 बसें के साथ यह सुविधा शुरू की जा रही है। 2025 तक इनकी संख्या 2000 से ज्यादा की जाएगी।

सहारनपुर परिवहन निगम रीजन को 17 और बीएस-6 बसें मिलीं



परिवहन विशेष न्यूज

सहारनपुर। रोडवेज बसों में सफर करने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। परिवहन निगम मुख्यालय से सहारनपुर रीजन को बीएस-6 मॉडल की 17 और बसें मिल गई हैं। इन बसों की खास बात यह है कि यह प्रदूषण मुक्त हैं। इनका संचालन दिल्ली के लिए किया जाएगा। एक नवंबर से दिल्ली में बीएस-4 बसों के प्रवेश पर रोक लगा दी थी। सहारनपुर रीजन की दिल्ली जाने

वाली बसें नहीं जा रही हैं। जिस कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। परिवहन निगम रोजने के प्रभारी क्षेत्रीय प्रबंधक गौरव बीएस-6 ने बताया कि अब तक वापस-पड़े की 25 बसें मिल गई हैं। जो 17 बसें मिली हैं। उनकी डिपोवार सूची बनाई गई है। आवंटन होगा। चालक बसों के लिए चले पाएंगे। सहारनपुर और खेतली डिपो की पांच-पांच, मुजफ्फरनगर डिपो की चार और छुटमलपुर डिपो की तीन बसें आवंटित होंगी। 10

बसें मंगलवार शाम तक आ जाएगी।
रीज़न को कुल 32 बसें मिलनी हैं।
बसों में पैनिक बटन
बीएस-6 बसों में सुरक्षा का विशेष
ध्यान रखा गया है। बस में एंटी लॉक
ब्रेकिंग सिस्टम लगाया गया है, जो
बारिश के मौसम में गली सड़क और
हाइवे पर ब्रेक मारने पर बस स्लिप
नहीं होगी। बस के पिछले हिस्से में
आपातकालीन दरवाजा लगा है।
बसों में पैनिक बटन लगाया गया है।
52 सीटों वाली बस की सभी सीटों
आरामदायक हैं।

ग्रैप-3 हटा: अब दिल्ली में बिना रोकटोक के चल सकेंगे बीएस-3 और बीएस-4 वाहन

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली । मौसमी सुधार के बाद दिल्ली-एनसीआर में लगातार कम-हूप प्रदूषण स्तर को देखते हुए ग्रेप-3 की पाबंदियां हटा दी गईं। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में अब निर्माण कार्य को मंजूरी होगी। साथ ही बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल के वाहन बिना किसी कोटाको के चल सकेगें। दिल्ली सरकार ने इन वाहनों को सख्ती से रोकने के लिए 20 हजार रुपये का जुमाना लगा दिया था। इनके अलावा पत्थर तोड़ने और खनन के काम को भी छूट मिलेगा। हालांकि ग्रेप-2 की पाबंदियां पहले की तरह लागू रहेंगी। दरअसल, मंगलवार को हुई वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की बैठक में दिल्ली-एनसीआर से लाहू ग्रेप-3 को हटा दिया गया। यह फैसला प्रदूषण स्तर में लगातार हो रहे सुधार के बाद लिया गया है। दिल्ली-एनसीआर में पिछले कुछ दिनों से प्रदूषण का स्तर 400 के नीचे बना हुआ है। इसे देखते हुए ग्रेप-3 को हटा दिया गया। जबकि



ग्रेप-2 की सख्खी लागू रहेगी। दिल्ली-एनसीआर में ग्रेडेड रिस्कांस एक्शन प्लान के स्टेज 3 के हटने के बाद काफी राहत मिलेगी। खासकर निर्माण क्षेत्र में एक बार फिर से काम शुरू हो सकेगा। केंद्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन ने अपने आदेश में लिखा कि दिल्ली का एक्जुआईड 27 नवंबर को 395 घंटा किया गया। जो 28 नवंबर को सुधार कर 312 घं पड़ूँ कने। यहाँ ग्रेप-3 को लागू करने के लिए सीमा

ग्रैप-2 में यह रहेंगे बंद

दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई 301 से 400 के बीच रहने पर ग्रैप-2 लागू रहता है। इसके तहत डीजल जेनरेटर बंद रहेंगे, पार्किंग फीस को बढ़ाकर निजी वाहनों का प्रयोग घटाया जाएगा, सीएनसी, इलेक्ट्रिक बसें, मेट्रो सर्विस में इजाफा होगा, अपार्टमेंट्स में सिवियरिटी गार्ड को इलेक्ट्रिक हीटर दिए जाएंगे, सांस और दिल की बीमारियों वाले लोगों को घर से बाहर न निकलने की सलाह दी जाएगी।

से लगभग 83 एक्यूआई कम है। एक्यूआई 401 से 450 का स्तर होने पर ग्रैप-3 लागू होता है। वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए तत्काल प्रभाव से ग्रैप-3 को वापस लेने का निर्णय लिया जाता है। ग्रैप-2 में यह रहेंगे बंद दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई

301 से 400 के बीच रहने पर ग्रैप-2 लागू रहता है। इसके तहत डीजल जेनरेटर बंद रहेंगे, पार्किंग फीस को बढ़ाकर निजी वाहनों का प्रयोग घटाया जाएगा, सीएनएस, इलेक्ट्रिक बसें, मेट्रो सर्विस में इजाफा होगा, अपार्टमेंट्स में सिवियरिटी गार्ड को इलेक्ट्रिक हीटर दिए जाएंगे, सांस और दिल की बीमारियों वाले लोगों को घर से बाहर न निकलने की सलाह दी जाएगी।

**टैम्पल'स ऑफ लिबरलाइजेशन
एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट**

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर
(152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर
उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन
नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-
2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय:- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए - 4,
पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट
कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड,
नियर बैंक ऑफ बडौदा दिल्ली 110042

हल्दी से रिसेप्शन तक के लिए ऐसे आउटफिट का चयन कर सकते हैं



परिवहन विशेष न्यूज

शायियों का सीजन शुरू हो गया है। ऐसे में इसकी धूम बाजारों में दिखाई देने लगी है। जिन लोगों की शादी पक्की हो गई है, वो जमकर शॉपिंग में लगे हैं। होने वाला हर दूल्हा और दुल्हन ये चाहते हैं, कि शादी के दिन के साथ-साथ शादी की हर रस्मों में भी वो सबसे खास और खूबसूरत दिखें। सबकी ये खाहिश होती है कि हर कोई उनकी तारीफ करे। ऐसे में दुल्हनें तो कई-कई दिनों पहले से ही अपने कपड़ों से लेकर मेकअप तक की तैयारी करने लगती हैं, लेकिन दूल्हे इस बात पर ज्यादा गौर नहीं करते। ज्यादातर होने वाले दूल्हे सिर्फ शादी के लिए खास तैयारी करते हैं। बाकी दिनों में वो कुछ भी पहन लेते हैं लेकिन किसी भी दूल्हे को ऐसा नहीं करना चाहिए।

दरअसल, आज हम आपको कुछ ऐसे आउटफिट्स दिखाएंगे जो होने वाले दूल्हे हल्दी से लेकर रिसेप्शन तक में कैरी कर सकते हैं। इस तरह के आउटफिट को पहनकर वो सबसे स्टाइलिश और स्मार्ट लगेंगे।

हल्दी

हल्दी की रस्म के साथ ही शादी के कार्यक्रमों की शुरुआत होती है। ऐसे में आप अपनी हल्दी में इस तरह का पठानी सलवार और कुर्ता कैरी कर सकते हैं। इसके साथ हैवी वर्क वाला दुपट्टा कैरी करना ना भूलें।

मेहंदी

अगर आप अपनी मेहंदी में हरा नहीं पहनना चाहते तो रणबीर कपूर के इस लुक से टिप्स ले सकते हैं। उन्होंने अपनी खुद की हल्दी में लाल रंग का कुर्ता पायजामा पहना था। ऐसे में आप भी इसी तरह के आउटफिट का चयन कर सकते हैं।

संगीत

संगीत को कई जगह कॉकटेल नाइट भी कहा जाता है। ऐसे में आप इस संगीत में विकी जैन की तरह हैवी वर्क वाला काले रंग का ब्लैजर व्हाइट शर्ट और ब्लैक पैंट के साथ कैरी कर सकते हैं। इस तरह का आउटफिट आपको क्लासी लुक देगा।

शादी

शादी चाहे दिन की हो या रात की, इसमें आपके कपड़ों का सही होना बेहद जरूरी है। आजकल ज्यादातर लड़कों को पेस्टल रंग के ही आउटफिट पसंद आते हैं। ऐसे में आप भी इसी तरह के पेस्टल पिक रंग के आउटफिट का चयन कर सकते हैं।

रिसेप्शन

अगर आप अपने रिसेप्शन में कुछ हल्का लेकिन क्लासी पहनने का सोच रहे हैं, तो विराट कोहली के इस लुक से टिप्स ले सकते हैं। कोहली से अपने रिसेप्शन में बंद गले का कुर्ता और सफेद पायजामी पहनी थी। उसके साथ उन्होंने एक शॉल भी कैरी किया था।

बालों की कई परेशानियों को दूर करता है दही, जानें इसके इस्तेमाल का सही तरीका



परिवहन विशेष न्यूज

आजकल के समय में लोगों की जिंदगी इतनी भागदौड़ भरी हो गई है, कि लोग ना तो अपनी त्वचा का ध्यान अच्छे से रख पाते हैं और ना ही बालों का। इसी के चलते उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। खासतौर पर अगर बात करें बालों की तो बदलते मौसम और बिगड़ी लाइफस्टाइल की वजह से बालों में कई परेशानियां बढ़ जाती हैं। इन परेशानियों को दूर करने के लिए वैसे तो तमाम तरह के ट्रीटमेंट मिल जाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप सिर्फ दही के इस्तेमाल से भी बालों की कई परेशानियों को दूर कर सकते हैं।

दरअसल, जिस तरह से दही का सेवन लोगों के शरीर के लिए काफी फायदेमंद होता है, ठीक उसी तरह से दही से इस्तेमाल से आप अपने बालों की कई परेशानियों को दूर कर सकती है। दही में कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन बी5 और विटामिन डी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में इसका इस्तेमाल बालों के लिए किसी भी वरदान से कम नहीं है।

ऐसे दूर होगी डैंड्रफ की समस्या

अगर आपके बालों में डैंड्रफ की समस्या है तो आप इसके लिए दही का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए आपको दही में दो चम्मच एलोवेरा जेल मिलाना है और साथ में नींबू के रस की कुछ बूंदों को डालना है। इस मारक को अपने स्केल्प पर अच्छे से लगाएं। सुख जाने के बाद अपने बालों को अच्छे से धो लें। कुछ दिन बाद आपको इसका असर दिखने लगेगा।

बाल होंगे मजबूत

अगर आप चाहते हैं कि आपके बाल मजबूत बने रहें तो हफ्ते में दो बार घर पर बना ताजा दही बालों पर लगाएं। इसे अपनी स्केल्प से लेकर बालों के अंत तक अच्छे से लगाएं। दही

के इस्तेमाल से आपके बालों में प्रोटीन की कमी पूरी होती है।

झड़ते बालों को ऐसे रोकें

अगर आपके बाल काफी ज्यादा झड़ रहे हैं तो दही और मेथी का पेस्ट बनाकर आप बालों में लगा सकती हैं। इसको बनाने के लिए आपको मेथी को रात भर भिगो कर रखना है। मेथी को पीस कर इसे दही में मिलाएं। अब इसे अपनी स्केल्प पर लगाएं और कुछ समय बाद बालों को धो लें।

ऐसे करें कंडीशनिंग

अगर आपके बाल काफी झाई हैं तो आपको बस अपने स्केल्प से लेकर जड़ों तक लगभग 30 से 45 मिनट तक दही लगाना है, फिर नार्मल शैंपू से अपने बालों को धो लेना है। इससे आपको कुछ ही दिनों में फायदा दिखने लगेगा।



ब्लड प्रेशर से लेकर वजन कंट्रोल करने तक, जानें चुकंदर का जूस पीने के अनगिनत फायदे

परिवहन विशेष न्यूज

अक्सर लोग चुकंदर का उपयोग सलाद या जूस के रूप में करते हैं। हालांकि कई लोगों को इसका स्वाद अच्छा नहीं लगता है, लेकिन चुकंदर खाने से सेहत को कई तरह लाभ मिलते हैं। रोजाना चुकंदर का जूस पीने से खून तो बढ़ता ही है साथ ही ये आंखों, ब्लड प्रेशर, पेट की चर्बी आदि को कम करने में भी सहायक है। चुकंदर में आयरन, सोडियम, सैलिनियम, मैग्नीशियम आदि जैसे तमाम पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। जो शरीर को कई बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं। तो आइए जानते हैं चुकंदर का जूस पीने से क्या फायदे हैं।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल करे

चुकंदर का जूस पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। इसमें नाइट्रेट पाया जाता है, जो शरीर में नाइट्रिक



ऑक्साइड के उत्पादन में मदद करता है। नाइट्रिक ऑक्साइड शरीर में ब्लड वेसेल के आराम देने का काम करता है।

वजन नियंत्रित करने में सहायक

चुकंदर के जूस में बहुत कम फैट और कैलोरी पाई जाती है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है। इसे सुबह पीने से शरीर में दिनभर में एनर्जी मिलती है।

लिवर के लिए भी फायदेमंद

चुकंदर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट बीटाइन लिवर में फैटी एसिड को जमने नहीं देता। इससे लिवर स्वस्थ रहता है।

पोटेशियम का अच्छा स्रोत

चुकंदर में भरपूर मात्रा में पोटेशियम पाया जाता है जो शरीर के मसल्स और नर्वस सिस्टम को स्वस्थ रखने में मदद करता है। चुकंदर का जूस पीने से शरीर में पोटेशियम का लेवल भी बराबर रहता है।

दिल के लिए फायदेमंद

चुकंदर का जूस पीने से हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है।

स्टेमिना बढ़ाए

चुकंदर का जूस पीने से शरीर में प्लाजा नाइट्रेट लेवल बढ़ता है, जिससे शरीर का स्टेमिना भी बढ़ता है।

कैंसर के खतरे को कम करे

चुकंदर के जूस में एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी इन्फ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो शरीर को कैंसर के खतरे से बचाने में मददगार है।

जीतना है ससुराल वालों का दिल तो शादी के बाद पहनें इस तरह की साड़ियां



परिवहन विशेष न्यूज

शादी के दिन हर लड़की और लड़के के लिए बेहद अहम होता है। लड़कों की जिंदगी में तो इस दिन के बाद ज्यादा कुछ खास बदलाव नहीं आते, लेकिन दिक्कत तो लड़कियों के सामने खड़ी होती है। लड़कियों को शादी के बाद अपने माता पिता तक का घर छोड़ कर अपने पति के घर रहने के लिए जाना होता है। नए घर में सभी ससुराल वालों को खुश करने के लिए लड़कियां काफी मेहनत करती हैं क्योंकि ऐसा कहा जाता है कि शादी के बाद शुरूआत से ही अगर ससुराल वालों के साथ रिश्ता मजबूत हो जाए तो किसी तरह की परेशानी सामने नहीं आती। ऐसे में लड़कियां अपने ससुराल वालों का दिल जीतने के लिए काफी कोशिश करती हैं।

वैसे तो इसके कई तरीके हैं, लेकिन क्या आप जानती हैं कि अच्छे से सज-संवर कर भी आप अपने घरवालों का दिल जीत सकती हैं। जी हाँ, अगर आप अपने ससुराल में तरह-तरह की साड़ियां पहनकर तैयार होंगी, तो आपके घर वाले इससे जरूर खुश होंगे। आज हम आपको इसी बारे में बताने जा रहे हैं, कि नई दुल्हनों के ऊपर कैसी साड़ियां अच्छी लगती हैं।

बनारसी साड़ी

ज्यादातर लोगों को नई दुल्हनों पर बनारसी साड़ी ही पसंद आती है। ऐसे में आप भी अपने लुक को खूबसूरत बनाने के लिए बनारसी साड़ियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। बनारसी साड़ी ज्यादातर चटक कलरों में ही आती है।

चिकनकारी साड़ी

अगर आपको हल्की साड़ियां पसंद हैं तो लखनऊ की मशहूर चिकनकारी वर्क वाली साड़ी आप कैरी कर सकती हैं। चिकनकारी वर्क की साड़ी पेस्टल रंगों में मिल जाती हैं। ऐसे में ये आजकल की लड़कियों को काफी पसंद भी आती है।

कांजीवरम सिल्क

नई दुल्हनों के लिए ये काफी सही विकल्प मानी जाती है। अगर शादी के तुरंत बाद आप किसी के घर जा रही हैं तो कांजीवरम सिल्क की साड़ी पहन सकती हैं। इसके साथ मैचिंग ज्वेलरी पहनकर अपना लुक पूरा करें।

बॉर्डर वाली साड़ी

आजकल ऐसी साड़ी काफी चलन में भी है। आप चाहें तो पूरी प्लेन साड़ी में हैवी सा बॉर्डर लगाव कर ऊसरा पूरा लुक ही बदल सकती

हैं। इस तरह की साड़ी शादी के बाद काफी प्यारा लुक देती है।

रंग का रखें ध्यान

नई दुल्हनों के ऊपर हमेशा चटक रंग ही अच्छे लगते हैं। ऐसे में कोशिश करें कि आप लाल, पीला हरा ऐसे ही रंग पहनें। अगर आपको पेस्टल रंग पसंद है तो उन्हें भी पहन सकती हैं लेकिन ज्यादा हल्के रंगों से कुछ दिन दूर ही रहें।

ज्वेलरी से लुक होगा पूरा

नई दुल्हन को सिर्फ मैचिंग की ज्वेलरी पहनने के साथ-साथ गोल्ड के जेवन भी पहनने चाहिए। इसी के दुल्हन अलग सी दिखाई देती है। गले में मंगसूत्र को जरूर ही पहनें। इसके साथ ही हाथों में चूड़ियां और पैरों में पायल जरूर पहनें।



सदन में बोले अखिलेश- एक भी पावर हाउस नहीं खोला; बिजली के मुद्दे पर डिप्टी सीएम से बहस

● उन्होंने नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव के प्राइवेट संस्थाओं को बढ़ावा देने के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि प्रदेश में आयुष्मान योजना और मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना से करोड़ों लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है।



परिवहन विशेष न्यूज उत्तर प्रदेश

यूपी विधानमंडल सत्र के दूसरे दिन वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2023- 24 का 28,760.67 करोड़ का अनुकर बजट पेश किया। इसमें 1946.39 करोड़ रुपये राजस्व खर्च के लिए और 9714 करोड़ रुपये पूंजी खर्च के लिए रखे गए हैं। नई योजनाओं के लिए 7421.21 करोड़ रुपये का प्रस्ताव है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी विधानसभा में प्रदेश में 'डेगू

की रोकथाम को लेकर किए जा रहे उपायों पर कहा कि सरकार 'डेगू सहित अन्य संक्रमित बीमारियों की रोकथाम के लिए सरकार सभी जरूरी इंतजाम कर रही है। प्रदेश के करोड़ों लोगों को आयुष्मान योजना का लाभ मिल रहा है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव के प्राइवेट संस्थाओं को बढ़ावा देने के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि प्रदेश में आयुष्मान योजना और मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना से करोड़ों लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। विधानसभा में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'बहुत सारे ऐसे वायरस होते हैं जिसमें प्लेटलेट काउंट कम हो जाता है। इसके लिए हर जनपद में ब्लड सेपरेटर यूनिट दी जा चुकी है। प्रदेश के अंदर 10 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत 5 लाख रुपये का सालाना स्वास्थ्य बीमा सरकार उपलब्ध करवा रही है... किसी भी प्राइवेट अस्पताल में भी सुविधाएं मिल रही हैं' बिजली के मुद्दे पर डिप्टी सीएम व नेता प्रतिपक्ष अखिलेश में तकरार सदन की कार्यवाही

में सवाल जवाब के दौरान बिजली के मुद्दे पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव में बहस हो गई। अखिलेश के सवाल पर उप मुख्यमंत्री बोले, यूपी में अब 24 घंटे बिजली आती है जिस पर अखिलेश यादव ने तर्ज कसते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्री को बिजली की चिंता कब से होने लगी। इस दौरान सदन में जोरदार हंगामा हुआ। अखिलेश यादव ने कहा कि योगी सरकार ने अपने कार्यकाल में प्रदेश में अब तक एक भी पावर हाउस नहीं खोला है। उन्होंने उप मुख्यमंत्री से कहा कि जब डेगू की बात आएगी तो आपसे सवाल करेंगे आपको बिजली की चिंता नहीं होनी चाहिए। वहीं, मीडिया से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि विपक्ष पूरी तरह से डरिल है। उन्हें पूरे संसदीय इतिहास की कोई जानकारी नहीं है। उनके डीएनए में गुंडई और अराजकता है। उन्हें विधायी सिस्टम की ही जानकारी नहीं है। उत्तर प्रदेश विधानसभा को संबोधित करते हुए

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, रक्या गेहूं सरकार ने खरीदा या निजी कंपनियों को खरीदवाया? मैं कहना चाहता हूं कि खेती के उपकरणों पर जीएसटी 12% से 18% है। क्या डबल इंजन की सरकार किसानों की मदद के लिए जीएसटी कम करेगी या अपने खजाने से किसानों को सुविधा देगी? वहीं, इससे पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सरकार 69000 शिक्षक भर्ती में अभ्यर्थियों को आरक्षण नहीं देना चाहती है। जिन अभ्यर्थियों को आरक्षण के तहत नौकरियां मिल जानी चाहिए थीं अब तक नहीं मिली। उन्होंने संकेत दिए कि सपा आरक्षण का मुद्दा उठाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य को लेकर व्यवस्था बदहाल है। सड़कों पर जानवर घूम रहे हैं। पहले जारी किया गया बजट अभी तक खर्च नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार ने जानबूझकर सत्र छोटा रखा है क्योंकि सरकार जनता के सवालों का जवाब नहीं देना चाहती है।

परिवहन विशेष न्यूज बलरामपुर



उन्होंने घर वालों से भी कई बार कहा कि उसका बच्चा जिंदा है। बोते 26 नवंबर को उसने थाने में पूरी बात बताई। थानाध्यक्ष अवधेश राज सिंह ने बताया कि तहरीर पर जांच कराई तो उन्हें भी शक हुआ। इसके बाद एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू की। आपरेशन के दौरान मृत बच्चे के बारे में कोई जानकारी न मिलने पर शंका गहरा होने पर हॉस्पिटल के संचालक डा. अकरम जमाल को गिरफ्तार किया। इसके बाद बढ़नी

से आपरेशन करने आए रूबी हेल्थ केयर बढ़नी के चिकित्सक हाफिजुर रहमान को भी गिरफ्तार कर पूछताछ की। इसमें बच्चे के जीवित होने की जानकारी मिली और उसे बढ़नी नगर पंचायत के वार्ड नंबर दो के सभासद निसार का नाम आया। सभासद के घर की जांच गई और वहां से बच्चा बरामद हो गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि सभासद मौके से नेपाल फरार हो गया। दावा किया कि जल्द ही वह भी पकड़ लिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

मकान में लगी आग, बाइक व साइकिलें जलीं

लखनऊ उंचाहार (रायबरेली)। क्षेत्र के जमुनापुर चौराहा निवासी रामसजीवन पाल के दरवाजे पर रखे छप्पर में सोमवार रात आग लग गई। लपटें उठने पर घरवालों को जानकारी हुई। उन्होंने शोर मचाया तो आसपास के लोग पहुंचे और आग बुझाई लेकिन तब तक छप्पर के नीचे खड़ी बाइक व दो साइकिलें जल गईं। आग लगने से लगभग 60 हजार का नुकसान हुआ है। एएसडीएम सिद्धार्थ चौधरी ने बताया कि लेखपाल को भेजकर हादे की जांच कराई जा रही।

टीवी में उतरे करंट से युवक की मौत

कछवां (मिर्जापुर)। थाना क्षेत्र के बिदापुर गांव में मंगलवार की शाम टीवी में उतरे करंट की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। वह टीवी की मरम्मत कर रहा था। उसी दौरान बिजली का तार में छू गया था। कछवां थाना क्षेत्र के बिदापुर गांव निवासी 22 वर्षीय विजय प्रताप तिवारी उर्फ सोनपुत्र कामेश्वर तिवारी घर पर था। घर की टीवी खराब हो गई थी। जिसे युवक स्वयं ही बनाने का प्रयास कर रहा था। टीवी की मरम्मत करते समय युवक का तार किसी बिजली के तार में छू गया। तार में प्रवाहित करंट की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से झुलस गया। युवक को छटपटाता देख घरवालों ने घर की बिजली सप्लाई को बंद किया। उसके बाद झुलसे युवक को आनन-फानन में गांव के एक अस्पताल में लेकर पहुंचे, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। यहां डाक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत से परिजनों का रो रो कर हाल बेहाल हो गया। विजय प्रताप की एक सप्ताह पूर्व शादी हुई थी। दो भाइयों में बड़ा था। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

कस्तूरबा विद्यालय में खण्ड शिक्षा अधिकारी के औचक निरीक्षण में खुलासा

परिवहन विशेष न्यूज गाजीपुर



थाना कोतवाली, गाजीपुर पुलिस द्वारा दिनांक 27.11.2023 को आमघाट थाना कोतवाली क्षेत्र में हुयी जान से मारने की नियत से हुयी मारपीट की घटना कारित करने वाले अभि0गणों की गिरफ्तारी की गयी । पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर के आदेश के क्रम में जनपद गाजीपुर में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे चेंकिंग अभियान व वॉछित अपराधियों की गिरफ्तारी के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक नगर गाजीपुर के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर गाजीपुर के कुशल पर्यवेक्षण में दिनांक 27.11.2023 को आमघाट थाना कोतवाली क्षेत्र में अभि0गण 1. इन्द्रा पत्नी स्व0 जगदीश यादव 2. पुनीत यादव 27.11.2023 को आमघाट थाना कोतवाली क्षेत्र में अभि0गण 3. रुदल यादव 4. विनोद यादव 5.रामसुख यादव पुत्रगण सुरेश यादव 6.सुरेश यादव पुत्र अज्ञात

समस्त निवासीगण देवपुर थाना मरदह जनपद गाजीपुर द्वारा सम्पत्ति व बंटवारे के विवाद को लेकर अभियुक्त विनोद यादव द्वारा वादी को जान से मारने की नियत से चाकू से हमला करना तथा बीच बचाव में आये लोगों पर भी चाकू से हमला करना व लाठी-डण्डे से मारना-पीटना, गाली गलौज करना व जान से मारने की धमकी देना तथा मार पीट के दौरान काफी लोगों को चोट आने के, जिसके सम्बन्ध में थाना कोतवाली, गाजीपुर पर मु0अ0स0

परिवहन विशेष न्यूज लखनऊ

प्रदेश सरकार के कर्मचारियों पर जीपीएफ खाते में जमा होने वाली राशि की सीमा तक दर दी गई है। अब सामान्य भविष्यनिधि खाते में एक साल में पांच लाख रुपये से ज्यादा जमा नहीं किए जा सकेंगे। इस संबंध में मंगलवार को कैबिनेट में पेश प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। केंद्र सरकार इस नियम को पहले ही लागू कर चुकी है। उत्तर प्रदेश सरकार में पुराने पेंशन पाने वाले करीब सात लाख कर्मचारियों को जमा का झटका लगा है। दरअसल पिछले साल 15 जून को केंद्र सरकार के कार्मिक और पेंशन मंत्रालय ने एक वित्त वर्ष में किसी अंशधारक द्वारा जीपीएफ में पांच लाख रुपये की अंशदान सीमा निर्धारित की थी। इसके बाद केंद्र में एक साल में अधिकतम पांच लाख रुपये के अंशदान का प्रावधान लागू हो

कोहरे और धुंध ने रोकी वाहनों की रफ्तार, टंड भी बढ़ी

● राजकीय कृषि बीज भंडार टेंगहा प्रभारी बृजेन्द्र सिंह ने बताया कि टंड व कोहरा बढ़ने से गेहूं की पैदावार अच्छी रहेगी। जितनी ज्यादा टंड बढ़ेगी उतना ही उत्पादन बढ़ेगा, और किसानों को फायदा होगा।



परिवहन विशेष न्यूज अमेठी

अमेठी। मौसम में अचानक आए बदलाव के बीच सोमवार की देररात से ही कोहरा शुरू हो गया। मंगलवार की सुबह तक छाए घने कोहरे से सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आए। कोहरे से बढ़ी टंड ने लोगों को कांपने पर मजबूर कर दिया। मंगलवार की सुबह आवश्यक कार्य से निकले लोग कुछ दूर चलने के बाद अलाव खोजते नजर आए। कम दृश्यता से

वाहन चालकों को परेशानी हुई। मंगलवार की सुबह था कि सुबह थोड़ी दूर भी नहीं दिखाई दे रहा था। कोहरे व धुंध के चलते यातायात भी प्रभावित हुआ। करीब 10 बजे सूर्य देव के दर्शन हुए। इसके बाद लोगों को थोड़ी सी राहत मिली। वाहन संचालन में बरते सावधानी यातायात प्रभारी शोभनाथ ने बताया कि सुबह और रात को कोहरा बढ़ने से सड़क हादसे बढ़ जाते हैं। कोहरे से विजिबिलिटी (दृश्यता) कम होने लगती है। कोहरे में वाहन

चालकों को गति नियंत्रण रखने के साथ सावधानी पूर्वक वाहन चलाना चाहिए। गेहूं की पैदावार होगी बेहतर रबी सीजन की मुख्य फसल गेहूं की बोआई हो रही है। इसके लिए टंड का बढ़ना फायदे मंद रहेगा। राजकीय कृषि बीज भंडार टेंगहा प्रभारी बृजेन्द्र सिंह ने बताया कि टंड व कोहरा बढ़ने से गेहूं की पैदावार अच्छी रहेगी। जितनी ज्यादा टंड बढ़ेगी उतना ही उत्पादन बढ़ेगा, और किसानों को फायदा होगा।

कोहरे से आलू, सब्जी के साथ फूल वाली तिलहनी और दलहन फसलों पर असर पड़ेगा। बताया कि पाले से बचाव के लिए खेत की मेंटों पर धुआं करें और नमी बनाए रखें। इसके साथ ही दवाओं का भी छिड़काव करें। छाई रहेगी बदली, बारिश की संभावना नहीं अयोध्या के कुमारगंज स्थित आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. अमर नाथ मिश्र ने बताया कि मंगलवार को अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। हवा की गति 0.5 किलोमीटर प्रतिघंटा रही। उत्तर-पश्चिम दिशा में हवा चली। बताया कि 24 घंटे में हल्के से मध्यम बादल छाए रहने की संभावना है, बारिश होने की संभावना नहीं है। हवा सामान्य गति से पश्चिमी चलने के आसार हैं।

जिलाबदर गोपाल यादव के घर धमकी बिरनो पुलिस, एसपी से मिला सपा प्रतिनिधिमंडल

परिवहन विशेष न्यूज गाजीपुर



समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष गोपाल यादव की अध्यक्षता में पुलिस अधीक्षक से मिला और मिलकर भड़सर पुलिस चौकी इंचार्ज श्वेता पांडे एवं उनके साथ कल रात समाजवादी पार्टी के जंगीपुर विधानसभा के सचिव गोपाल यादव के घर में घुसकर जुलूम, ज्यादाती और दुर्व्यवहार और बर्बरता पूर्ण तथा तोड़फोड़ की कार्रवाई में शामिल पुलिस कर्मियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग किया। जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि भाजपा नेताओं के इशारे पर यह पुलिस की जुलूम ज्यादाती है। रात में नाहक बिना किसी आधार के गोपाल यादव के घर में घुस जाना,घर की महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करना, खिड़की दरवाजे तोड़ना पुलिस की इस कार्रवाई से उसके पूरे परिवार में भय व्याप्त हो गया है।परिजन बुरी तरह से भयभीत हैं। पुलिस की इस बर्बरपूर्ण कार्रवाई से पूरे क्षेत्र में खौफ और दहशत का माहौल है। उन्होंने कहा कि पुलिस का काम न्याय दिलाना है न कि दहशत फैलाना।उन्होंने कहा कि भाजपा राज में समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बदले की भावना से कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि तमाम वाछित और आपराधिक प्रभृभूमि के

उसे हैरान , परेशान और मानसिक रूप से प्रताड़ित करना कदापि न्यायोचित नहीं है। उन्होंने गोपाल यादव पर जहां कर गुंडा एक्ट के तहत दर्ज मुकदमा वापस लेने और जिला बदर की कार्रवाई को खत्म करने की भी मांग किया।उन्होंने कहा कि पुलिस को इस कार्रवाई से उसके पूरे परिवार में भय व्याप्त हो गया है।परिजन बुरी तरह से भयभीत हैं। पुलिस की इस बर्बरपूर्ण कार्रवाई से पूरे क्षेत्र में खौफ और दहशत का माहौल है। उन्होंने कहा कि पुलिस का काम न्याय दिलाना है न कि दहशत फैलाना।उन्होंने कहा कि भाजपा राज में समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बदले की भावना से कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि तमाम वाछित और आपराधिक प्रभृभूमि के

लोग खलेआम घुम रहे हैं पुलिस उन्हें तो पकड़ नहीं पा रही है बल्कि झूठी शिकायत पर समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को परेशान कर रही है।उन्होंने कहा कि यह इस घटना में शामिल दोषी पुलिसजनों पर कार्रवाई नहीं होती तो पार्टी को आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य रूप से पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेश कुशावहा, प्रदेश कार्यसमिति के विशेष आमंत्रित सदस्य रामधारी यादव, जिला उपाध्यक्ष रविन्द्र प्रताप यादव, जिला सचिव एवं मीडिया प्रभारी अरुण कुमार श्रीवास्तव, जंगीपुर विधानसभा के अध्यक्ष राजेंद्र यादव,मिजामुद्दीन खां, दिनेश यादव, दिनेश यादव,सत्येन्द्र यादव उर्फ सत्या, अनिल यादव,रववंश यादव आदि शामिल थे।

धूमधाम से मनाया गया हनुमान जयंती

राजगढ़ (मिर्जापुर)। थाना क्षेत्र के ददरा हिनौता गांव में स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर पर हनुमान जयंती व देव दीपावली के अवसर पर हनुमान जयंती का पर्व बड़े हर्षो उल्लास से मनाया गया। हनुमान मंदिर का भव्य सजावट किया गया था। समस्त आने वाले भक्तगणों को प्रसाद वितरित किया गया। अखंड हरि कीर्तन का प्रोग्राम दोपहर में समाप्त हुआ। रात्रि में अन्नपूर्णा धाम कीर्तन ओबरा सोनभद्र के टीन द्वारा देवी जागरण का प्रोग्राम प्रस्तुत किया गया।

जिसे देखने के लिए दर्शकों की भारी संख्या में भीड़ इकट्ठी रही। पूरी रात भक्तों ने झांकी एवं देवी गीत का आनंद उठाया। प्राचीन हनुमान मंदिर पर 25 वर्षों से अधिक समय से प्रतिवर्ष यह कार्यक्रम बजरंग सेवा समिति हिनौता के कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित किया जाता है। पूर्वजों का कहना है कि इस मंदिर पर जो भी सच्चे मन से किसी भी प्रकार का मनोकामना करता है तो बजरंगबली उसकी हर मनोकामना को पूर्ण करते हैं। पूजन अर्चन के इस कार्यक्रम में शीतला सिंह पूर्व प्रधान, मुन्नर सिंह, अजय कुमार सिंह उर्फ शुगु, अमरेश कुमार सिंह, संजय सिंह, समित सिंह, संतोष कुमार पाठक, बुलेंद्र, सोनू मोनु, राजाराम भारती, जितेंद्र कुमार सिंह आदि दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनपद स्तरीय श्रीअन्न महोत्सव का दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित

● इस मिल्लेट्स महोत्सव के अवसर पर बताया गया की किसान श्रीअन्न (मिल्लेट्स) को पैदा कर आपनी आमदनी बढ़ने के साथ-साथ जनमानस को स्वाष्ट रखा जा सकता है

परिवहन विशेष न्यूज मिर्जापुर

जनपद स्तरीय श्रीअन्न (मिल्लेट्स) महोत्सव दो दिवसीय कार्यक्रम राजकीय कृषि प्रक्षेत्र पिपराडाड, में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि राज् कर्नौंजिया, जिला पंचायत निदेशक, द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा कृषि विभाग द्वारा लगाये गये जैविक व श्रीअन्न (मिल्लेट्स) उत्पाद प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित कृषक बन्धुओं को जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा सम्बोधित करते हुए कहा गया कि भारत सरकार ने किसानों की आमदनी दुगुनी करने का संकल्प लिया है और यह संकल्प पूरा करने के लिए सरकार ने अनेक नीतिगत निर्णय किसानो के हित में किए हैं। इस मिल्लेट्स महोत्सव के अवसर पर बताया गया की किसान



श्रीअन्न (मिल्लेट्स) को पैदा कर अपनी आमदनी बढ़ने के साथ-सा फाइबर की अधिक मात्रा होती है तथा इस फसल में रोग कीट व्याधि मुक्त रहने के साथ-साथ पानी की खपत कम रहती है। जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा एफएंडडी, खुटहा मौनस व जी00 बिन्दू कृषक उत्पादक संगठन, लच्छापट्टी को फार्म मशीनरी बैंक योजना अंतर्गत अनुदानित ट्रैक्टर चाभी प्रतीकात्मक रूप में उपलब्ध कराया गया तथा

बहुत से किसानो को वर्मी कम्पोस्ट व जीवामृत भी अपने कर-कमलों द्वारा दिया गया। उप कृषि निदेशक, विकेश कुमार द्वारा विभाग से सम्बन्धित योजनाओं की जानकारी दी गयी। साथ ही बताया गया कि जनपद में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम आयोजन 21 नवम्बर 2023 से किया जा रहा है, जो 26 जनवरी 2024 तक चलायी जाएगी, जिसके माध्यम से विकास खंड के ग्राम पंचायतों में घूम-घूम कर जनपद के समस्त विभागों द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी जायेगी। कृषि विज्ञान केन्द्र, बरकछा, मिर्जापुर के वैज्ञानिक डॉ0 जे0पी0 राय द्वारा फसलों में लगने वाले रोग व कीट पर

विस्तृत रूप से चर्चा की गयी। कृषि विज्ञान केन्द्र, बरकछा के वैज्ञानिक डा0 एस0 के0 गोयल द्वारा श्री अन्न (मिल्लेट्स) द्वारा उत्पादित अनाज को भण्डारण व प्रशंशकरण पर किसानो को विस्तृत रूप से अवगत कराया गया। प्रो0 रंज प्रसाद द्वारा मिल्लेट्स की खेती किस प्रकार अच्छे तकनीक से करके अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है, पर विस्तृत चर्चा की गयी। डा0 एस0 एन0 सिंह द्वारा मुदा स्वास्थ्य पर चर्चा के साथ ही साथ पौधों के पोषक तत्वों पर प्रकाश डाला गया। डा0 सुधीर कुमार श्रीवास्तव, जनपद सलाहकार रा0खाला0सु0मि0 द्वारा उपस्थित कृषकों को श्रीअन्न (मिलेट्स) जैसे-ज्वार, बाजरा, कोदो, सांवा, रागी के महत्व व उपयोग पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला गया तथा इन श्रीअन्न से किस प्रकार उत्पादध्व्यजन बनाकर अच्छी आयदनी प्राप्त कर सकते है। साथ ही कृषक उत्पादक संगठन के बारे में भी विस्तार से बताया गया।विषय- वस्तु विशेषज्ञ कृष्ण कुमार सिंह द्वारा प्राकृतिक खेती पर जानकारी देते हुए किसानो को बीजामृत-जीवामृत घनामृत बनाने की विधि बताते के साथ ही साथ इसके महत्व एवं लाभ पर चर्चा की गयी।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर आग का गोला बनी जगुआर, जलकर खाक हुई 78 लाख की कार

गुरुग्राम दिल्ली-जयपुर हाईवे पर मंगलवार दोपहर करीब दो बजे मानेसर पॉलिटेक्निक में करीब 78 लाख की जगुआर कार अचानक आग का गोला बन गई। हालांकि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि जगुआर में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी होगी। फायर अधिकारी रमेश सैनी ने बताया कि कार बादशहपुर निवासी एक व्यक्ति की कार थी। दोपहर में जयपुर की ओर से चालक आ जा रहा था। मानेसर कॉलेज के पास अचानक कार में आग लग गई। हालांकि चालक समय से कार से बाहर आ गया। उन्होंने बताया कि जगुआर को बचाने के प्रयास किया गया लेकिन पूरी तरह चल गई। माना जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी होगी। गंभीरता ये रही कि कार चालक ने समय रहते गाड़ी से कूद कर अपनी जान बचाई। इस आगजनी की सूचना दमकल विभाग को दी गई, लेकिन दमकल की गाड़ी जब तक मौके पर पहुंची, उससे पहले ही आग ने गाड़ी को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया। बता दें कि सोमवार को गुरुग्राम-दिल्ली एक्सप्रेसवे पर एक कार में आग लगा हुई थी।

स्काइ केंद्र से पूरे शहर की बिजली व्यवस्था पर होगा नियंत्रण, निर्बाध होगी आपूर्ति

गुरुग्राम। अगले महीने से गुरुग्राम में बिजली व्यवस्था में स्मार्ट ग्रिड सिस्टम का दूसरा चरण शुरू हो जाएगा। स्मार्ट ग्रिड के तहत अंडर ग्राउंड किए गए केबल और अपडेट किए गए हैं। स्मार्ट ग्रिड सिस्टम के पहले चरण में 11 केवी की लाइन को अंडरग्राउंड किए जाने और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर को बदलने का काम हुआ है।दिसंबर में नए सिस्टम की कंप्यूटरीकृत मॉनिटरिंग के सिस्टम स्काइ।यानी सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डाटा एक्विजिशन का काम शुरू होगा। डीएचबीवीएन ने इस काम के लिए एंडर जारी किया है।।पहले इसकी अंतिम तिथि नवंबर तक थी, मगर इसको बनाने के लिए कोई कंपनी सामने नहीं आई तो इसकी तिथि 18 दिसंबर तक कर दी गई है। इसके पहले आईडीसी मानेसर में एक पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर स्काइ सेंटर बनाया गया है। गुरुग्राम के सेक्टर 52 स्थित सबस्टेशन में करीब 84 करोड़ रुपये के खर्च पर स्काइ केंद्र बनाया जाएगा, जहां से पूरे शहर की बिजली व्यवस्था का नियंत्रण होगा।

कपिल देव ग्रांट थॉर्नटन

इनवाइटेथनल टूर्नामेंट के दूसरे संस्करण का उद्घाटन

गुरुग्राम। कपिल देव ग्रांट थॉर्नटन इनवाइटेथनल टूर्नामेंट के दूसरे संस्करण का उद्घाटन मंगलवार को हुआ। डीएलएफ लिमिटेड के चेयरमैन एमेरिटस केपी सिंह और पूर्व क्रिकेटर कपिल देव ने डीएलएफ गोल्फ और केंद्री क्लब में में टी-ऑफ के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत की। यह इवेंट 28 नवंबर से 3 दिसंबर 2023 तक चलेगा। इससे पहले प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) द्वारा अनुमोदित, 2022 का पहला संस्करण व्यापार, खेल और मनोरंजन के विशेषज्ञों ने शीर्ष पेशेवर गोल्फरों के साथ मिलकर जीते के लिए प्रतिस्पर्धा की थी। कपिल देव और केपी सिंह ने संयुक्त रूप से जासकरी देते हुए बताया कि इस साल टूर्नामेंट और भी बड़ा है। इसमें दो करोड़ रुपये का पुरस्कार है।

दहेज की मांग पूरी न होने पर नहीं आई बरात

लोनी। बॉर्डर थाना क्षेत्र स्थित एक कॉलोनी में सोमवार को दूल्हा पक्ष दहेज की मांग पूरी न होने पर बारात लेकर नहीं आया। दुल्हन पक्ष ने बॉर्डर थाने में दूल्हा समेत पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। दुल्हन पक्ष ने शायी में अब तक सात लाख रुपये का खर्च आने की बात कही है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। लड़की के पिता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि करीब एक वर्ष पूर्व बेटी का रिश्ता गुरुग्राम के गढ़ी रऊरपुरा रेलवे स्टेशन टावर कॉलोनी के सन्नी पांचाल से तय किया था। गोद भराई की रस्म से लेकर कई अन्य रस्में हुईं, जिसमें करीब सात लाख रुपये खर्च हुए। सोमवार को गुरुग्राम से बरात आनी थी। आरोप है कि लड़का पक्ष दहेज की मांग करने लगा। लड़की के पिता से करीब पांच लाख रुपये की अतिरिक्त मांग की गई। समय पर मांग पूरी न होने पर बरात लेकर नहीं आए। लड़के के पिता से फोन पर संपर्क किया तो उन्होंने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी दी और बरात लाने से इंकार कर दिया। लड़की के पिता का आरोप है कि जिस लड़के से शायी होनी थी वह शायी के दिन किसी अन्य लड़की के साथ भाग गया। कार्यावाहक एसीपी विवेक चंद यादव ने बताया कि परिजन की तहरीर पर सन्नी पांचाल, सुलेस चंद पांचाल, मनीषा, मोनू पांचाल और लड़के की मां के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

नो फ्लाईंग जोन में होने से विस्फोटक के बजाय मैनुअल टूटेंगे चिनटेल्स के टावर

● ऐसे में विस्फोटक के बजाय

मैनुअल तोड़ा जाएगा। वहीं,

बिल्डर ने कहा कि अब जो लोग

पलैट लेना चाहते हैं

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम। सेक्टर-109 स्थित चिनटेल्स पैराडाइसो सोसाइटी के असुरक्षित टावरों को गिराने के लिए एंडिफिस कंपनी की रिपोर्ट बिल्डर ने डीसी को सौंप दी है। अब प्रशासन के आदेश पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। बिल्डर का कहना है कि सोसाइटी एयरपोर्ट के पास और नो फ्लाईंग जोन में है। ऐसे में विस्फोटक के बजाय मैनुअल तोड़ा जाएगा। वहीं, बिल्डर ने कहा कि अब जो लोग पलैट लेना चाहते हैं, उन्हें उसी जगह पर फ्लैट बनाकर दिया जाएगा। ऐसे लोगों की इच्छा है कि सेटलमेंट या फ्लैट लेने का ऑप्शन चुन सकते हैं। बीते सप्ताह शुक्रवार को नोएडा के टिवन टावर को तोड़ने वाली कंपनी एंडिफिस ने चिनटेल्स



पैराडाइसो सोसाइटी के असुरक्षित टावरों का सर्वे किया था। ऐसे में कंपनी द्वारा बनाई रिपोर्ट बिल्डर ने मंगलवार को उपायुक्त को सौंपी। इस सर्वे रिपोर्ट में जो मुख्य बातें हैं, उसमें पानी की टॉकियों को खाली करवाना, बिजली कनेक्शन कटवाना और बेसमेंट के पास पड़ी अतिरिक्त मिट्टी को हटवाना था। सर्वे करने वाली कंपनी का कहना है कि अगर कोई भी दुर्घटना होती है तो पानी या बिजली रहने से शॉर्ट सर्किट होने की संभावना है। ऐसे में असुरक्षित ही

नहीं सुरक्षित टावरों में भी आग लगने की संभावना बनी रहेगी। चिनटेल्स के वाइस प्रेसिडेंट जेएन यादव ने बताया कि प्रशासन ने इस बारे में पहले ही स्पष्ट किया हुआ है। इसके आधार पर लोगों को पैसे भी दिए जा रहे हैं। यदि कोई दोबारा टावर बनने और उसी में फ्लैट लेना चाहता है तो उसे दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कंपनी हर तरह से लोगों के लिए तैयार है। आरडब्ल्यूए प्रधान राकेश हुड्डा ने बताया कि हादसे के बाद करीब 288 लोग प्रभावित हैं। बिल्डर को पैसा वापसी वाले प्लान पर करीब 121 लोग सहमत है। अन्य लोग अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं।

नमकीन और मिर्च पाउडर में मिले खतरनाक रंग

● इसके अलावा इसमें बूंदी के लड्डू में पीला रंग सनसेट येलो की मिलावट और मिर्च पाउडर में भी सिंथेटिक रंग की मिलावट पाई गई है।

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद। मिठाइयों और नमकीन के लिए गए नमूनों में 16 नमूनों की रिपोर्ट स्वास्थ्य के लिए हानिकारक मिली है। इसमें बूंदी के लड्डू, नमकीन, हल्दी और मिर्च शामिल हैं। नवंबर माह में कुल 83 नमूने की रिपोर्ट आई है, जिसमें से 56 की रिपोर्ट निगेटिव रही। खाद्य सुरक्षा विभाग ने पिछले दो माह में जो नमूने लखनऊ लैब में जांच के लिए भेजे थे, उनमें नमकीन में जो रंग मिलाया था उसमें खतरनाक टेट्राजिन मिला था। इसके अलावा इसमें बूंदी के लड्डू में पीला रंग सनसेट येलो की मिलावट और मिर्च पाउडर में भी सिंथेटिक रंग की मिलावट पाई गई है।चिकित्सकों के अनुसार टेट्राजिन



कैंसरकारक होता है। इन सभी के अलावा घेवर में देसी घी के इस्तेमाल का दावा किया गया था लेकिन जांच रिपोर्ट में रिफाईंड पाया गया। मावा में रिफाईंड की मिलावट और सूजी में कीड़े मिले। बाकी अन्य 40 सैंपल मिसब्रांड मिले हैं, जिसमें खाद्य सुरक्षा विभाग के मानकों की अनेखी पाई गई है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी एनएन झा ने बताया कि मानकों के अनुसार अधिकतर

खाद्य पदार्थों में रंग मिलाया ही नहीं जा सकता है, जैसे मिर्च या हल्दी। मिठाइयों में भी खाने वाले रंग का इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन उसकी पैकेट पर लिखना होगा कि खाने वाले रंग का इस्तेमाल किया गया है। सहायक आयुक्त खाद्य विनोत कुमार ने बताया कि इन सभी के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत वाद दायर किया जाएगा।

सर्दी के साथ बढ़ रहे बच्चों में निमोनिया के मामले

● सर्दी के साथ जुकाम खांसी और निमोनिया की शिकायत बढ़ रही है। इसके साथ ही बच्चों को पेट दर्द व पेथिश की शिकायत भी देखने को मिल रही है।

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम। सर्दी में बेमौसम बारिश के साथ जिले का तापमान तेजी से नीचे जा रहा है। मंगलवार को जिले का तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहा। ऐसे में अस्पतालों में बाल रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। बाल रोग ओपीडी में हर दस में से दो मरीज निमोनिया के सामने आ रहे हैं। अन्य मरीज खांसी, जुकाम जैसे लक्षण के साथ अस्पताल पहुंच रहे हैं। ऐसे में माइक्रो प्लाज्मा निमोनिया की जांच के लिए अस्पतालों में रक्त नमूने लिए जा रहे हैं।क्टर-10 न स्थित नागरिक अस्पताल में हर दिन करीब 50 से 60 बच्चे



ओपीडी में जांच के लिए पहुंच रहे हैं। सर्दी के साथ जुकाम खांसी और निमोनिया की शिकायत बढ़ रही है। इसके साथ ही बच्चों की पेट दर्द व पेथिश की शिकायत भी देखने को मिल रही है। बच्चों के उधर केंद्र सरकार ने एहतियात के तौर पर निजी सरकारी अस्पतालों को अलर्ट पर रखा है।

मुकाबले ऐसे मरीजों की संख्या दोगुनी हुई है। उधर चीन में माइक्रो प्लाज्मा निमोनिया वाले मामलों के लिए अलर्ट जारी किया गया है। ऐसे मामले बच्चों में श्वसन संबंधी समस्या के साथ सामने आ रहे हैं। उधर केंद्र सरकार ने एहतियात के तौर पर निजी सरकारी अस्पतालों को अलर्ट पर रखा है।

सेक्टर 75 व 80 में सीवर और पेयजल लाइन बिछाने का कार्य शुरू

● ऐसे में लोगों को प्लॉटों पर

कब्जा देने से पहले यहां पर

मूलभूत सुविधाएं विकसित

करना जरूरी है।

परिवहन विशेष न्यूज

फरीदाबाद। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ग्रेटर फरीदाबाद के दो नए सेक्टरों में विकास कार्य तेजी से शुरू कर दिए गए हैं। सीवर लाइन बिछाई जा रही है। बारिश के पानी निकासी के लिए ड्रेनेज बिछाने का कार्य चल रहा है। जल्द ही बिजली की लाइन डालने का कार्य शुरू किया जाएगा। इस योजना पर 116 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। ग्रेटर फरीदाबाद में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) ने तीन सेक्टरों में ही मूलभूत सुविधाएं विकसित करने का काम शुरू किया हुआ है। इनमें सेक्टर 76, 77 व 78 शामिल हैं। इन सेक्टरों के अंदरूनी इलाकों में सड़क बनाने, सीवर व पानी की लाइन डालने, स्ट्रीम वॉटर ड्रेन बनाने व बिजली की व्यवस्था की जा रही है। अधिकतर हिस्से में काम हो चुका है और बचे हुए हिस्से में काम जारी है। सेक्टर 77



व 78 में ड्रॉ के माध्यम से लोगों को प्लॉट दिए गए थे और सेक्टर 76 में ई-ऑक्शन के माध्यम से लोगों को प्लॉट बेचे गए हैं। इसके अलावा एचएसवीपी ने सेक्टर 75 व 80 में भी ई-ऑक्शन के माध्यम से बहुत से लोगों को प्लॉट बेच दिए हैं। ऐसे में लोगों को प्लॉटों पर कब्जा देने से पहले यहां पर मूलभूत सुविधाएं विकसित करना जरूरी है। इस लाइन दोनो सेक्टरों में सभी मूलभूत सुविधाएं विकसित का कार्य तेजी से किया जा रहा है। मूलभूत सुविधाओं उपलब्ध कराने पर करोड़ों रुपये किए जाएंगे खर्चएचएसवीपी की ओर से सेक्टर 75 व 80 में के बाहर

मास्टर रोड का निर्माण पहले की पूरा कर लिया गया था। अब अंदरूनी सड़कें बनाने, सीवर व पानी की लाइन बिछाने, बारिश के पानी निकासी की व्यवस्था करने और बिजली की व्यवस्था करने का काम किया जा रहा है। इन कार्यों पर करीब 58 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। जबकि सिविल वर्क पर लगभग 42 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। सेक्टर 75 में सड़क, सीवर, पानी व स्ट्रीम वॉटर ड्रेन बनाने में लगभग 16 करोड़ रुपये और सेक्टर 80 में करीब 26 करोड़ रुपये लागत आएगी।

● उन्होंने बताया कि नो फ्लाईंग जोन

होने के कारण टावरों को विस्फोटक से तोड़ने में दिक्कत होगी। इसके अलावा सोसाइटी में टावर नजदीक बने हुए हैं।

लेना है। यादव ने बताया कि नो फ्लाईंग जोन में विस्फोटक लगाने के लिए अनुमति मिलने भी देरी होगी। ऐसे में एंडिफिस कंपनी मैनुअल तरीके से तोड़ने की कार्रवाई करेगी। 1ट भी बनाकर देने की बात कही वाइस प्रेसिडेंट जेएन यादव ने बताया कि प्रशासन ने इस बारे में पहले ही स्पष्ट किया हुआ है। इसके आधार पर लोगों को पैसे भी दिए जा रहे हैं। यदि कोई दोबारा टावर बनने और उसी में फ्लैट लेना चाहता है तो उसे दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कंपनी हर तरह से लोगों के लिए तैयार है। आरडब्ल्यूए प्रधान राकेश हुड्डा ने बताया कि हादसे के बाद करीब 288 लोग प्रभावित हैं। बिल्डर को पैसा वापसी वाले प्लान पर करीब 121 लोग सहमत है। अन्य लोग अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं।

दिसंबर में परीक्षाएं अभी तक नहीं भरे गए फॉर्म

नोएडा। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की गलती का खामियाजा सेक्टर-39 स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्रों को उठाना पड़ रहा है। दिसंबर में परीक्षाएं होने वाली है, लेकिन अभी तक 200 से ज्यादा छात्र परीक्षा फॉर्म नहीं भर पाए हैं। वेबसाइट में तकनीकी खराबी के चलते फॉर्म भरने के दौरान वोकेशनल कोर्स का सब्जेक्ट कोड ही नहीं आ रहा है। वहीं, कुछ छात्रों के सब्जेक्ट कोड ही बदल गए हैं। इस वजह से उनकी अनुपस्थिति दिख रही है। मंगलवार को भी 30 से ज्यादा छात्र अपनी परेशानी लेकर कॉलेज प्रबंधकों के पास पहुंचे।प्रथम वर्ष उत्तीर्ण छात्र दूसरे वर्ष के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा के लिए परीक्षा फॉर्म भर रहे हैं। छात्रों का कहना है पिछले कई दिनों से परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन वि्वि की वेबसाइट में तकनीकी खामी की वजह से फॉर्म नहीं भरे रहे हैं। कई बार छात्रों ने कॉलेज प्रबंधक से शिकायत की है

भाजपा पार्षदों ने दिखाई तख्तिरां, कार्यवाही स्थगित; स्थायी समिति के गठन की मांग

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली-एनसीआर दिल्ली नगर निगम की बैठक में भाजपा और कांग्रेस पार्षदों ने जमकर हंगामा किया। सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया है। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही थोड़ी देर में भाजपा और कांग्रेस के पार्षदों ने हंगामा शुरू कर दिया। दिल्ली नगर निगम सदन की बैठक में बुधवार को जोरदार हंगामा हुआ। जिसके बाद सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया है। भाजपा पार्षद प्लेकार्ड लेकर स्थायी समिति या वार्ड समिति के गठन की मांग कर रहे हैं। भाजपा ही नहीं कांग्रेस ने भी हंगामा किया। दिल्ली के सिविक सेंटर में दिल्ली नगर निगम के पार्षदों की बैठक बुलाई गई थी। जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो इसके बाद थोड़ी देर में ही भाजपा और कांग्रेस के पार्षदों ने हंगामा शुरू कर दिया। कांग्रेस के पार्षदों ने भी स्थायी समिति या वार्ड समिति के गठन की मांग की है। इसके लिए 22 महत्वपूर्ण प्रस्ताव एजेंडे में शामिल हैं। जिन्हें सदन में से पास कराना है। इन प्रस्तावों को पास कराना चाहती है आप सदन में पिछली बैठक हंगामे के चलते



महज पांच मिनट ही चल पाई थी और इस बीच 50 से ज्यादा प्रस्ताव बिना चर्चा के पास किए गए थे। इस बार सदन की बैठक में निगम स्कूलों के अंदर सीसीटीवी कैमरे लगाने, सुरक्षा कर्मियों की तैनाती करने और सफाई कर्मियों को नियुक्त करने का प्रस्ताव है। डीबीसी कर्मियों के आश्रितों की भर्ती के संबंध में भी एजेंडा है, फिल्म पॉलिसी में परिवर्तन और एक जून को म्यूनिसिपल डे मनाने से संबंधित प्रस्ताव भी इसमें शामिल हैं। इस प्रस्ताव को लेकर है विवादएजेंडे में शामिल एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव को लेकर सत्ता पक्ष ने पहले ही पल्ला झाड़ लिया है कि ये निगम अधिकारियों द्वारा एजेंडे में शामिल किया गया प्रस्ताव

है। इस प्रस्ताव को लेकर नेता विपक्ष राजा इकबाल सिंह ने सत्ता पक्ष पर गंभीर आरोप लगाया। उनका आरोप है आप पार्टी निगम के अफसरों से साठ गांठ कर दिल्ली में टोल टैक्स एक्जिट करने वाली कंपनी को करीब 46 करोड़ रुपये का भुगतान कराने संबंधी प्रस्ताव पास कराना चाहती है। उन्होंने बताया कि इससे पहले ये प्रस्ताव निगम के पूर्व विशेष अधिकारी अश्वनी कुमार के पास गया था, तब उन्होंने इस प्रस्ताव से संबंधित फाइल को कुछ आपत्तियां लगाकर वापस भेज दिया था। इसी प्रस्ताव को दोबारा सदन में लाकर पास कराने की तैयारी है। सदन में ये प्रस्ताव पास हुआ तो विपक्ष इसका जबरदस्त विरोध करेगा।

विस्थापितों ने बढ़ी हुई राशि के आदेश को निरस्त करने की मांग

● जिन्हें द्वारका एक्सप्रेस वे पर जमीन आने के कारण बटले में सेक्टर-110ए में प्लॉट दिए गए थे। लोगों ने प्लॉट की कीमतों की इस बढ़ी हुई

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम। प्लॉट की बढ़ी हुई राशि को जमा करने के आदेश को निरस्त करने की मांग द्वाराका एक्सप्रेसवे के विस्थापितों ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल से की है। इसके लेकर विस्थापितों ने सेक्टर-110ए के आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों के साथ मुख्यमंत्री मनोहर लाल के पूर्व ओएसडी जवाहर यादव से मुलाकात की।एचएसवीपी ने विस्थापितों को जमीन की बढ़ी हुई कीमतों के अनुसार 56,618.29 प्रति वर्ग मीटर की राशि देने को कहा गया है। जिन्हें द्वारका एक्सप्रेस वे पर जमीन आने के कारण बटले में सेक्टर-110ए में प्लॉट दिए गए थे। लोगों ने प्लॉट की कीमतों की इस बढ़ी हुई राशि के आदेश वापस लेने को लेकर हशवित्रा के एस्टेट अफसर-वन



से भी मुलाकात की थी। प्रतिनिधियों का कहना है कि वे बढ़ी हुई राशि देने में असमर्थ हैं। द्वाराका एक्सप्रेस वे बनने के दौरान उनके घर और जमीन इसके दायरे में आ गए थे। सरकार से इसके बदले में जमीन को लेकर उन्हें लंबी लड़ाई लड़नी पड़ी थी। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा गठित कमेटी ने फाइनल टर्म सेटलमेंट योजना के तहत द्वाराका एक्सप्रेसवे विस्थापित निवासियों को मकान के बदले में सेक्टर-110ए में प्लॉट दिए थे। वर्ष 2015 की इस सेटलमेंट योजना को वर्ष 2017 में कार्यान्वित किया गया था। लोगों ने पैसे की बढ़ी

हुई मांग को निरस्त करने की मांग की है।1१ह है पूरा मामला द्वाराका एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए करीब 450 प्लॉट लोगों से लिए गए थे। इसमें बहुत सारे निर्मित घर भी शामिल थे। उसके बदले में सरकार ने उन्हें सेक्टर 110ए में प्लॉट दिए थे। अब उन प्लॉटों की बढ़ी हुई कीमत की राशि की मांग हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) ने द्वाराका एक्सप्रेसवे के विस्थापितों से की है। करीब 100 विस्थापितों के पास ऐसे पत्र आए हैं और उन्हें करीब 56 लाख रुपये को लेकर डेढ़ करोड़ रुपये तक चुकाने के लिए कहा गया है।

गुरुग्राम डिपो के बेड़े में शामिल हुईं 25 नई बसें

● जिससे लोगों को आवागमन में सुविधा हो गई है। गुरुग्राम बस डिपो के बेड़े में अब 25 नई बसें शामिल होने के बाद बसों की कुल संख्या 202 हो गई है।

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम। हरियाणा परिवहन विभाग के बेड़े में नई बसों के शामिल होने के बाद प्रदेशभर में यात्रियों को समय पर रोडवेज बसें मिल रही हैं। जिससे लोगों को आवागमन में सुविधा हो गई है। गुरुग्राम बस डिपो के बेड़े में अब 25 नई बसें शामिल होने के बाद बसों की कुल संख्या 202 हो गई है। गुरुग्राम डिपो के महाप्रबंधक प्रदीप कुमार अहलावात ने बताया कि नई बसों को फिलहाल लोकल रूटों पर चलाया जा रहा है। जल्द ही दूसरे प्रदेशों में नए लंबे रूटों के परमिट लेकर रोडवेज बसों का संचालन करने की योजना है। गुरुग्राम बस डिपो में छह वॉल्को,

सात एसी बसें, 20 मिनी बसें, 35 किलोमीटर स्कामी वाली बसों के अलावा 134 ऑडनरी बसें संचालित की जा रही हैं। गुरुग्राम डिपो से उत्तराखंड के हरिद्वार, हल्द्वानी, देहरादून, टनकपुर, उत्तरा प्रदेश के आगरा, मथुरा, अलीगढ़, लखनऊ, मुरादाबाद, पंजाब के कई रूटों, हिमाचल प्रदेश के शिमला, बैजथान, चंडीगढ़, राजस्थान के जयपुर, उदयपुर, खादूश्याम, जम्मू के कटरा के अलावा हरियाणा के विभिन्न जिलों और लोकल रूटों पर रोडवेज बसों का संचालन किया जा रहा है। गुरुग्राम डिपो के मुख्य निरीक्षक (सीई) राजबीर सिंह ने बताया कि 25 नई बसों के दस्तावेज तैयार होने व रजिस्ट्रेशन नंबर मिलने के बाद निम्न जिलों व लोकल रूटों पर बसों को चलाया जा रहा है। इससे विभिन्न रूटों पर यात्रियों को समय पर रोडवेज बसें मिल रही हैं। डिपो में अब 202 रोडवेज बस हो गई हैं। चालक-परिचालकों का शेड्यूल बनाकर रूटों पर भेजा जा रहा है।

डीटीसी बसों ने नई दिल्ली- मध्य जिले में लीं सबस

ज्यादा जान, घातक साबित हुई क्लस्टर बड़े की गाड़िया

● जिसमें उत्तर पश्चिम और बाहरी जिलों में सबसे अधिक घटनाएं दर्ज की गईं। दुर्घटनाओं का तुलनात्मक विश्लेषण वर्ष 2022 और 2023 के लिए

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली-एनसीआर डीटीसी बसों ने 15 नवंबर, 2022 तक नई दिल्ली, मध्य और दक्षिण-पूर्व जिले में सबसे ज्यादा लोगों को रौंदा है। इन जिलों में डीटीसी बसों ने सबसे ज्यादा 30 लोगों की जान ली है। 2023 (15 नवंबर तक) में डीटीसी बसों ने कुल 17 घातक दुर्घटनाओं की हैं। डीटीसी बसें, क्लस्टर बसें या फिर भारी वाहनों की घातक सड़क दुर्घटनाओं को देखें तो सब ने दिल्ली में अलग-अलग जगहों पर लोगों की जान ली है। डीटीसी बसों ने 15 नवंबर, 2022 तक नई दिल्ली, मध्य और दक्षिण-पूर्व जिले में सबसे ज्यादा लोगों को रौंदा है। इन जिलों में डीटीसी बसों ने सबसे ज्यादा 30 लोगों की जान ली है। 2023 (15 नवंबर तक) में डीटीसी बसों ने कुल 17 घातक दुर्घटनाएं की हैं। 2022 (15 नवंबर तक) में क्लस्टर बसों से



मध्य, द्वाराका और-बाहरी उत्तरी जिलों में सबसे अधिक घातक दुर्घटनाएं हुई हैं। दुर्घटनाएं की हैं। इनमें 30 लोगों की जान गई और 97 व्यक्ति घायल हुए। वहीं 2022 (15 नवंबर तक) में एचटीवी (भारी वाहन) से जुड़ी घातक सड़क दुर्घटनाएं बाहरी उत्तर और दक्षिण पूर्व जिलों में हुईं। इनमें कुल 152 लोगों की जान गई। 2023 (15 नवंबर तक) में कुल मौतों में मामूली वृद्धि हुई और यह 164 हो गई, जिसमें उत्तर पश्चिम और बाहरी जिलों में सबसे अधिक घटनाएं दर्ज की गईं। दुर्घटनाओं का तुलनात्मक विश्लेषण वर्ष 2022 और 2023 के लिए 15 नवंबर तक दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बसों, क्लस्टर बसों और भारी परिवहन वाहनों (एचटीवी) से जुड़ी सड़क दुर्घटनाओं

लोगों की संख्या 288 से बढ़कर 383 हो गई। डीटीसी के मुकाबले क्लस्टर बसों से हुई ज्यादा मौतें दिल्ली में लोगों की जान लेने में क्लस्टर बसें डीटीसी बसों के मुकाबले आगे रही हैं। हालांकि दिल्ली में भारी वाहनों ने सबसे ज्यादा लाने लीं। वर्ष 2019 से 2023 तक दिल्ली यातायात पुलिस के आंकड़ों का विश्लेषण करें तो क्लस्टर बसों ने 2019 में 23 घातक दुर्घटनाएं कीं। इनमें 25 मौतें और 70 व्यक्ति घायल हुए, जबकि डीटीसी बसें और एचटीवी 20 घातक दुर्घटनाओं (20 मौतें और 92 घायल) और 174 घातक दुर्घटनाओं (184 मौतें और 318 घायल) में सम्मिलित थीं। अगले वर्ष 2020 में गिरावट देखी गई, जिसमें क्लस्टर बसें 20 घातक दुर्घटनाओं (22 मौतें और 76 घायल), डीटीसी बसें 19 घातक दुर्घटनाओं (19 मौतें और 64 घायल) में सम्मिलित थीं। 2021 में क्लस्टर बसें 29 घातक दुर्घटनाओं में शामिल थीं, जिससे 32 मौतें और 93 घायल हुए, जबकि डीटीसी बसों और एचटीवी से क्रमशः 17 घातक दुर्घटनाएं (18 मौतें और 75 घायल) और 145 घातक दुर्घटनाएं (161 मौतें और 283 घायल) दर्ज की गईं।

भारत में ई-बस की बिक्री FY 25 तक 11-13 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी, ICRA की रिपोर्ट में दावा

परिवहन विशेष न्यूज

वित्त वर्ष 2025 तक नई बस बिक्री में इलेक्ट्रिक बसें 13 प्रतिशत तक प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। जैसा कि 17 नवंबर को आईसीआरए की एक रिपोर्ट में कहा गया है। आईसीआरए (कठपंख) ने देखा कि विभिन्न राज्य इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीतियों ने ई-बसें, विद्युतीकरण के लिए एक स्पष्ट रोडमैप स्थापित करना को अपनाने के लिए विशिष्ट लक्ष्य और समयसीमा की रूपरेखा तैयार की है। पीटीआई के अनुसार, पारंपरिक डीजल बसों की तुलना में परिचालन लागत में काफी बचत को ध्यान में रखते हुए, **ICRA को ई-बसों की मांग में निरंतर बढ़ोतरी का अनुमान है। बता दें कि ICRA एक स्वतंत्र भारतीय रेटिंग एजेंसी है।**

एक रिपोर्ट में, ICRA ने इलेक्ट्रिक बसों (ई-बसों) को भारत की विद्युतीकरण पहल में एक प्रेरक शक्ति



प्रतिशत हो गया है।

फास्टर एडॉप्शन एंड मैनुफैक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (FAME) योजना के तहत ई-बस परिनियोजन लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में प्रगति लगातार बनी हुई है। मार्च 2024 में योजना खत्म होने तक रफ्तार बढ़ने की उम्मीद है।

आईसीआरए का कहना है कि सरकार ने कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड (सीईएसएल) (CESL) द्वारा जारी निविदाओं के तहत बोली एकत्रीकरण के जरिए ई- बस अपनाने को बढ़ावा देने की मांग की है। प्रारंभिक निविदाओं में सफल ओईएम भागीदारी के बावजूद, सीईएसएल की तीसरी निविदा को भुगतान सुरक्षा तंत्र की अनुपस्थिति और प्रस्तावित ड्राई लीज मॉडल के बारे में चिंताओं के कारण सीमित भागीदारी का सामना करना पड़ा।

ई-बस अपनाने की बढ़ती रफ्तार को बनाए रखने के लिए इन चिंताओं को दूर करना महत्वपूर्ण माना जाता है।

सरकार द्वारा पीएम ई-बस सेवा योजना की हालिया घोषणा, सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत 169 शहरों में 10,000 ई-बसें प्रदान करने का लक्ष्य है। जैसा कि FAME II योजना मार्च 2024 में खत्म हो रही है। ICRA के अनुसार, CESL के जरिए या पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत मांग एकत्रीकरण से ई-बस की मात्रा बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि सब्सिडी धीरे-धीरे खत्म हो रही है। आईसीआरए ने इस बात पर जोर दिया कि विद्युतीकरण प्रयासों में मौजूदा रफ्तार को बनाए रखने के लिए भुगतान सुरक्षा तंत्र के कार्यान्वयन और दीर्घकालिक वित्तपोषण मार्गों की उपलब्धता के संबंध में ओईएम की चिंताओं को संबोधित करना जरूरी है।

कार में आने लगे ये परेशानियां, तो गाड़ी को जल्द बदलने में होगी समझदारी, जानें डिटेल

परिवहन विशेष न्यूज

अक्सर लोगों की लापरवाही के कारण कारों में कुछ परेशानियां आने लगती हैं। अगर आपकी कार में भी कुछ ऐसी परेशानियां आ रही हैं, तो इसकी जानकारी किस तरह ली जा सकती है।

आइए जानते हैं। लंबे समय तक कार चलाने और उसके रखरखाव में होने वाली लापरवाही के कारण कार में कुछ परेशानियां आ जाती हैं। अगर समय पर ध्यान ना दिया जाए तो यह बढ़ने लगती है और समय और खर्च दोनों बढ़ते हैं।

ऐसे में कब कार को बदला जा सकता है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

इंजन में परेशानी आना अगर आपकी कार के इंजन में लगातार खराबी आ रही है। जैसे कि कभी इंजन ओवरहीट हो जाता है, तो कभी पिकअप नहीं लेता। या फिर इंजन ऑयल काफी जल्दी



क्षमता के साथ काम करने के कारण ईंधन की खपत भी बढ़ने लगती है। कार में जंग लगना अगर लंबे समय तक कार की बाड़ी पर पानी जमा रहे तो इससे जंग लगने का खतरा भी बढ़ने लगता है। एक बार किसी हिस्से पर जंग लग जाए तो फिर धीरे-धीरे यह बढ़ने लगती है और इससे कार की बॉडी कमजोर होने लगती है। अगर समय पर इसे ना रोका जाए तो फिर हादसा होने पर खतरा बढ़ जाता है। इलेक्ट्रिकल परेशानी आना कई बार कार में इलेक्ट्रिकल परेशानियां भी आने लगती हैं। ऐसे में कई बार कार की लाइट्स अंधेरे में काम नहीं करतीं या फिर काफी कम रोशनी देती हैं। वहीं कई बार कार का म्यूजिक सिस्टम और अन्य फीचर्स भी सही तरह से काम नहीं करते। ऐसे में इसे ठीक करवाना थोड़ा महंगा भी हो सकता है।

खराब या खत्म हो रहा हो तो कार में काफी जल्दी बड़ा खर्चा आ सकता है। **जिसमें आपकी काफी परेशानी भी हो सकती है।** ईंधन की खपत का बढ़ना

अगर कार में अचानक ईंधन की खपत काफी तेजी से बढ़ जाए तो भी सतर्क हो जाना चाहिए। लंबे समय तक लापरवाही के कारण इंजन के अंदरूनी पार्ट्स तेजी से घिसते हैं साथ ही कार को ज्यादा

चप्पल पहनकर ली 10 करोड़ रुपये के कार की डिलीवरी, सोशल मीडिया पर हंगामा

परिवहन विशेष न्यूज

भारत में एक व्यक्ति ने पारंपरिक भारतीय फुटवियर जिन्हें 'चप्पल' कहा जाता है, पहनकर अपनी नई Rolls-Royce Spectre EV (रोल्स-रॉयस स्पेक्टर ईवी) की डिलीवरी ली। **जिसके बाद सोशल मीडिया पर काफी हलचल मच गई।**

देश में लॉन्च होने से पहले ही इस इलेक्ट्रिक वाहन की डिलीवरी चेन्नई स्थित बिल्डर बाश्याम युवराज को कर दी गई। इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर तेजी से हो रहे वैश्विक बदलाव के साथ, स्पेक्टर ईवी ब्रिटिश लज्जरी कार ब्रांड की पहली फुल-इलेक्ट्रिक कार है। वह वीडियो जिसमें मालिक को चप्पल पहने हुए डीलरशिप से लज्जरी ईवी की डिलीवरी लेते देखा जा सकता है। इस कार की अनुमानित कीमत 10 करोड़ रुपये है। हाल ही में यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। **कई यूजर उस व्यक्ति के जमीन से जुड़े रवैये और अपनी संपत्ति को अपनी जड़ों से अलग करने से इनकार करने की सराहना कर रहे हैं।**

यह पूरी तरह से इलेक्ट्रिक पावरट्रेन द्वारा संचालित होता है। जिसमें एक डुअल-



कुछ लोगों ने इसे एक पुरानी कहावत से भी जोड़ा, किसी पुस्तक को उसके कवर से मत आँकिए। कुछ यूजर्स ने तो यहां तक कह दिया कि चप्पल महंगे ब्रांड की हैं और कीमत भी काफी ज्यादा है। कार के बारे में बात करते हुए, दो-दरवाजे वाला कूपे मूल रूप से फैंटम का उत्तराधिकारी है। और यह कंपनी की अन्य गाड़ियों मौजूदा-जेंनरेशन फैंटम और कलिनन एसयूवी के समान 'आर्किटेक्चर ऑफ लज्जरी' प्लेटफॉर्म पर आधारित है।

मोटर सेंटअप होता है जो 577 एचपी और 900 एनएम का पीक टॉर्क पैदा करता है। अनुमान है कि यह मॉडल एक बार चार्ज करने पर 520 किमी की रेंज देता है। यह सिर्फ 4.5 सेकंड में 0-100 की रफ्तार पकड़ लेती है। **जो रोल्स-रॉयस स्पेक्टर जैसे भारी वाहन के लिए काफी प्रभावशाली है।**

स्पेक्टर ईवी कंपनी की ऑल-इलेक्ट्रिक महत्वाकांक्षाओं के लिए अग्रणी होने के साथ, निमार्त, 2030 तक, सभी आईसीई मॉडल को चरणबद्ध तरीके से बंद कर देगा। और उन्हें अपने ईवी समकक्षों के साथ बदल देगा।

बाइक की क्लच प्लेट जल्दी होती है खराब, तो रखना चाहिए किन बातों का ध्यान, जानें डिटेल

परिवहन विशेष न्यूज

अगर आपकी बाइक की क्लच प्लेट लगातार खराब हो रही है तो बाइक चलाने में कुछ लापरवाही होती है। किन लापरवाहियों के कारण ऐसा होता है। आइए जानते हैं। अगर बाइक चलाने में लापरवाही बरती जाए तो फिर धीरे-धीरे बाइक के कई पार्ट्स खराब होने लगते हैं। ऐसे में अगर बाइक की क्लच प्लेट भी बार-बार खराब हो जाती है। तो किस तरह की लापरवाही से बचा जा सकता है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं। गियर बदलते समय रहें सावधान जब बाइक तेज रफ्तार में हो तब निचले गियर बदलने के लिए



गाड़ी की स्पीड भी कम करनी चाहिए। ऐसा ना करके तेज रफ्तार में गियर बदलने से क्लच और गियर दोनों को नुकसान पहुंचता है। इसलिए पहले बाइक को स्पीड कम करें फिर गियर को बदल दें। ऐसा करने के बाद ही क्लच छोड़ना चाहिए। ब्रेक का सही उपयोग करें अक्सर देखने में आता है कि लोग तेज स्पीड में बाइक चला रहे होते हैं और अचानक बाइक को रोकना पड़ जाए तो काफी तेजी से ब्रेक लगाने के बाद क्लच का उपयोग करते हैं। लेकिन ऐसा करने से क्लच प्लेट और ब्रेक जल्दी खराब हो सकते हैं। इसलिए पहले बाइक की स्पीड कम करें फिर रोकने के क्लच और ब्रेक का उपयोग करें। **रखें बेहतर तालमेल**

खरीदनी है कार, लेकिन ट्रांसमिशन में हैं कन्फ्यूज, जानें मैनुअल या ऑटोमैटिक में से कौन है बेहतर

परिवहन विशेष न्यूज

अक्सर लोग नई कार खरीदने से पहले ट्रांसमिशन में मिलने वाले विकल्प में कन्फ्यूज हो जाते हैं। लेकिन मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन में से कौन सा बेहतर है। आइए जानते हैं। कंपनियों की ओर से अपनी कारों में कई तरह के विकल्प दिए जाते हैं। इनमें फीचर्स और लुक के साथ ही इंजन और ट्रांसमिशन में भी कई विकल्प मिलते हैं। ऐसे में किस तरह के ट्रांसमिशन वाली कार को खरीदना आपके लिए बेहतर हो सकता है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं। **मैनुअल ट्रांसमिशन**

मैनुअल गियर वाली कारें भारत में लंबे समय से प्रचलित हैं। इन कारों को चलाने में ज्यादा समझ की जरूरत नहीं होती। साथ ही इनको चलाना और रखरखाव करना काफी आसान होता है। इसके अलावा मैनुअल ट्रांसमिशन वाली कारों की कीमत भी अन्य कारों के मुकाबले काफी कम होती है। **ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन**

मैनुअल के मुकाबले में ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन वाली कारों को चलाना काफी ज्यादा आरामदायक होता है। इन कारों में मैनुअल की तरह गियर और क्लच का उपयोग नहीं किया जाता। **जिस कारण नए ड्राइवर भी इन कारों को काफी आसानी से चला पाते हैं।**



किसमें मिलेगी ज्यादा पावर मैनुअल ट्रांसमिशन वाली कारों में पावर ड्राइवर के हाथ में होती है।

इंजन को ऐसे दबून किया जाता है, जिससे कार खुद ही गियर बदलती है।

रखरखाव में आसान

मैनुअल कारों का रखरखाव काफी ज्यादा आसान होता है। तय समय पर सिर्फ गियर ऑयल बदलने से ही इनके गियरबॉक्स की उम्र को बढ़ाया जा सकता है। वहीं अगर इनमें कोई खराबी आ भी जाए तो आसानी से इनको ठीक करने के लिए मैकेनिक मिल जाता है। लेकिन अगर ऑटोमैटिक कार में कोई परेशानी आ जाए तो उसे ठीक करवाना काफी मुश्किल भी हो सकता है। क्योंकि ऐसी कारों को सिर्फ कंपनी की ओर से ट्रेनिंग दिए गए मैकेनिक से ही ठीक करवाया जा सकता है। साथ ही इनके पार्ट्स भी मैनुअल के मुकाबले महंगे होते हैं। कीमत में फर्क **मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आने वाली कारों की कीमत में भी काफी फर्क होता है। एक ही कंपनी की किसी एक कार के मैनुअल ट्रांसमिशन को खरीदने के साथ ही अगर इसका ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन वाला वैरिएंट देखा जाता है तो दोनों की कीमत में कुछ हजार रुपये से लेकर कई लाख रुपये तक का फर्क भी आ सकता है।**



पांच राज्यों के चुनावों में मुफ्त रेवड़ियों की बरसात

लगातार चुनावों में मुक्त की रेवड़िया बांटने की परम्परा ने चुनाव प्रक्रिया एवं उसके आदर्श को धुंधलाया है। यह विडंबना है कि लोग जनप्रतिनिधि की योग्यता, कर्मठता, चारित्रिक उच्चता की प्राथमिकता को दरकिनार करके संकीर्ण सोच के लाभों को प्राथमिकता देने लगे हैं। इस दूषित परंपरा से राजनेताओं और जनता का प्रलोभन विस्तार ले रहा है। इस बढ़ती बुराई एवं विकृति को देखकर आख मूंदना या कानों में अंगुलिया डालना अपनी जिम्मेदारी से पलायन है, इसके विरोध में व्यापक जन-चेतना जगाने की अपेक्षा है। आज चुनाव में बढ़ता भ्रष्टाचार का रावण मानवता एवं चुनाव शुद्धि की सीता का अपहरण करके ले जा रहा है, सब यह अनर्थ होते हुए देख रहे हैं, पर कोई भी जटापु आगे आकर उसका विरोध करने की स्थिति में नहीं हैं। चुनाव-भ्रष्टाचार के प्रति जनता, राजनीतिक दलों एवं नेताओं का यह मौन, यह उपेक्षाभाव उसे बढ़ावेगा नहीं तो और क्या करेगा? मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मिजोरम में विधानसभा चुनावों के लिए मतदान हो चुका है। अब केवल तेलंगाना में मतदान होना शेष है। इन राज्यों के चुनाव प्रचार के दौरान यह बात और उपरकर सामने आई कि मतदाता राजनीतिक दलों के प्रलोभन का शिकार बनने के लिए तैयार है और राजनीतिक दल एवं उनके उम्मीदवार मतदाताओं को ठगने, लुभाने एवं गुमराह करने की होड़ में लगे हैं। हमारीय की थाली में पुराव आ गया है...लगता है शहर में चुनाव आ गया हैहह भारत की राजनीति एवं चुनावों पर ये दो पंक्तियां सटीक टिप्पणी हैं, जो दुःखद एवं विडम्बनापूर्ण हैं। आम तौर पर मतदाता राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों में यह नहीं देखता कि उसमें अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्था, रोजगार, नागरिक सुविधाएं, विजली-पानी आदि के ठोस वादे किए गए हैं या नहीं? वह अब यह देखता है कि किस दल ने उन्हें क्या-क्या मुफ्त वस्तुएं और सुविधाएं देने के वादे किए हैं। वक्त की जरूरत है कि मतदाताओं को लालीपांप देने, मुफ्त की रेवड़ियां बांटने के बजाय उन्हें ऐसे अवसर दिये जाने चाहिए ताकि वे कालांतर आत्मनिर्भर बन सकें, सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में अपनी सार्थक भूमिका निभा सकें, देश के सशक्त आर्थिक विकास में योगभूत बन सकें। भ्रष्ट चुनाव से तो भ्रष्ट नेतृत्व ही मिलेगा, ऐसी भ्रष्ट स्थितियों से देश के आर्थिक विकास में भी भ्रष्टता ही व्यापक होगी, शासन के सामने आर्थिक चुनौतियां खड़ी होंगी। इस तरह मुफ्त की घोषणाओं और गारंटियों से सिर्फ हमारा राजकीय घाटा ही नहीं बढ़ेगा, बल्कि भ्रष्टाचार को पनपने का खुला मौका मिलेगा। मतदाता यदि किसी राजनीतिक दल की दूरगामी नीतियों व विकास योजनाओं को नजरअंदाज करके तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता देगा तो भविष्य में उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। उम्मीदवारों के षड्यंत्र एवं मतदाताओं के लोभ हमारी चुनाव प्रक्रिया को भी संकट में डालते हैं। जाहिर-सी बात है कि मुफ्तखोरी की संस्कृति के बूते सत्ता में आने वाला नेता कालांतर में सरकारी संसाधनों के दोहन को अपनी प्राथमिकता बनायेगा। जो धन उसने चुनाव के दौरान बांट है उसका कई गुना येन-केन-प्रकारण वसूलगा। जिससे लोकतंत्र में तूटंत्र की मानसिकता को प्रोत्साहन मिल सकता है। चुनाव में मुफ्त रेवड़ी संस्कृति के साथ चुनाव का अधिकधिक खचीलाा होना भी गंभीर चिन्ता का विषय है। एक-एक प्रत्याशी चुनाव प्रचार करने में करोड़ों रुपए व्यय करता है। यह धन उसे पूंजीपतियों एवं उद्योगपतियों से मिलता है। चुनाव जीतने के बाद वे उद्योगपति उनसे अनेक सुविधाएं जायज-नाजायज तरीकों से प्राप्त करते हैं। इसी कारण सरकार उनके शोषण के विरुद्ध कोई आवाज नहीं उठा पाती और अनेकविकताएं एवं भ्रष्टता की परम्परा का सिंचन मिलता है। यथार्थ में देखा जाये तो जनमंत्र अर्थतः बन कर रह जाता हैं, जिसके पास जितना अधिक पैसा होगा, वह उतने ही अधिक वोट खरीद सकेगा। ऐसे में ईमानदार्, योग्य एवं कर्मठ लोगों का राजनीति में आने का रास्ता ही बन्द हो जायेगा। चुनावों में लगातार बढ़ रही भ्रष्टता की नाजुक स्थिति में व्यक्ति-व्यक्ति की जटापुवृत्ति को जगाया जा सके, चुनावी भ्रष्टाचार के विरोध में एक शक्तिशाली समवत स्वर उठ सके और उस स्वर को स्थायित्व मिल सके तो लोकतंत्र की जड़ों को सिंचन मिल सकता है और ऐसे हालातों में भी हमारा अमृत-काल भी चुनाव-प्रक्रिया के लिये भी अमृतमय बन सकता है। इस बार पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त पेशकश के मामले में होड़ करके राजनीतिक दल एक दूसरे को मात देने में लगे रहे। चुनाव में रेवड़ियों की इस बारिश के राजनीतिक एवं आर्थिक, दोनों निहितार्थ हैं। साथ ही यह उन राजनीतिक दलों के दोहर रवैये को भी जाहिर करता है जो मुफ्त पेशकश के मामले में दूसरे दलों को तो आह्वान दिखाते हैं, लेकिन चुनाव जीतने के लिए खुद उनका सहारा लेने से कोई संकोच नहीं करते। यह दोहरा रवैया भाजपा के चरित्र में भी समाया है। सही मान्यों में मुफ्त के उपहारों की हमेशा बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। यह हमारे लोकतंत्र की भी विफलता है कि आजादी के साढ़ सात दशक बाद भी हम अपने लोकतंत्र को इतना सजग व समुद्र नहीं बना पाये कि मतदाता अपने विवेक से अपना दूरगामी भला-बुरा सोचकर मतदान कर सके। अतित के अनुभव बताते हैं कि जिस भी राज्य ने मुफ्त खाद्यान्न, पानी, विजली व सब्सिडी बांटी है उसकी अर्थव्यवस्था भविष्य में चरमआई ही है।

तेरी लीला कोई समझ न पाया



डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

बहुत दिनों बाद चाचा जी के छोटे बेटे बबलू का फोन आया। फोन क्या आया मतलब निकल आया। बोला झू हूहेलो भैया, कैसे हैं आप? घर-परिवार में सब ठीक-ठाक है न? हूहां बबलू, मैं वगैचे में धूप सेक रहा हूँ और मेरी तबीयत भी ठीक है। बस दिमाग गरम रहता है। डॉक्टर ने कहा कि यह तंग जिंदगी का लोचा है। लेकिन तुम्हारी भाभी को यह सब नाटक लगता है। वह कहती हैं कि मैं कुछ काम नहीं करता, सिर्फ नाटक करता हूँ। काम से बचने के चोंचले हैं। अब उसे कौन बताए कि वह काम ज्यादा करती है और मुझे से भी यही अपेक्षा करती है। दिन भर झाड़ू लगाती रहती है। यह देख लगता मानो वह झाड़ू नहीं मुझे वश में रखने के लिए जादू टोना कर रही हो। उसे कौन समझाए कि इस उम्र में मुझ पर डेरें कौन डालेगा। एक तरफ भाभी के घरेलू नुस्खे और दूसरी ओर डॉक्टर की हिदायतें। मुझे नहीं पता कि किसकी बात सुनूँ, डॉक्टर की या तुम्हारी भाभी की। डॉक्टर आपको दस मिनट के लिए देखाता है, लेकिन आपको चौबीस घंटे उसकी मुट्ठी में रहना पड़ता है। इधर ऑफिस की किचकिच और उधर पत्नी बाजार जाकर सब्जी लाने के लिए अपना बैग भरे सामने फेंक दिया है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं किसका इलाज कराऊँ। पड़ोस में चोपड़ा साहब रहते हैं। वे मुझे खुद का इलाज करने से पहले पत्नी का इलाज करवाने के लिए कहा। वैसे भी तुम सब्जी खरीदते जाओगे लेकिन तुम्हें पता है कि तुम्हारी लाई हूड्स सज्जी उन्हें परदे नहीं आएगी। उन्हें कोई बहाना चाहिए। कहते हैं बचपन में हमारी मां हमें खूब बादाम खिलाती थीं। अब देखो भाई, अम्मा ने जो किया उसका खामिबाजा हम भुगत रहे हैं। उनका दिमाग पहलेली खेल से भी अधिक जटिल होता है। इसे एक तरफ से मिलाओ तो दूसरी तरफ से खराब हो जाता है। स्थिति ऐसी है कि न तो हम पूरी तरह से कमजोर हो पाते हैं और न ही मजबूत। न जीने में, न मरने में, हमें अनासकली बनाकर रखा गया है। धी धूध से चामरी ललाई निकालकर बनाया जाता है। वह तीन बार एक-एक चम्मच घी मांगता है और एक बार आधा चम्मच घी देता है। सारा धी भगवान के दीपक में चला जाता है। थोड़े से घी के मामले में भगवान की तुम्हारी भाभी के साथ हैं। आज उन्हें डॉटने की जुनत भी करो तो सबसे पहले बुखार चढ़ता है। स्थिति उलट है, उनकी डांट के साथ दिन में तीन बार सिरसिटीमोल लेना पड़ता है। अब तुम जानते हो कि फिर भगवान पांडवों के साथ थे, तो सौ भाई और एक बड़ी सेना भी हार गई थी। यहाँ हम अकेले हैं।

टहनियों तक जाये बिना सर्वोत्तम फल नहीं मिलेगा



लेखिका : प्रियंका सौरभ

लोग नई चीजें हासिल करने के बजाय आसान चीजों में लग जाते हैं। लोग नई चीजों का आविष्कार करने या अपना खुद का स्टार्टअप बनाने के बजाय और सुस्थित नौकरियों में चले जाते हैं। इसके अलावा, डर से आत्मविश्वास और अपने ऊपर भरोसे की कमी भी हो सकती है। जो व्यक्ति लगातार डर के साथ जी रहे हैं, वे अपनी क्षमताओं पर संदेह करते हैं और जोखिम लेने के साथ आने वाली चुनौतियों के लिए खुद को तैयार नहीं पाते हैं। सिडनी बॉक्सिंग डे टेस्ट में सचिन तेंदुलकर पहली पारी में अपनी कम क्षमता के कारण नहीं बल्कि ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद के डर के कारण आउट हुए। अगली पारी में उन्होंने किसी भी ऑफ स्टंप से बाहर की गेंद को न खेलने का जोखिम उठाने के लिए मानसिक रूप से तैयारी की और इसके परिणामस्वरूप ऐतिहासिक दोहरा शतक बनाया। 13वीं शताब्दी ई. में एक दर्जन से अधिक जहाज के कप्तान छोटे-छोटे मार्गों से होने वाले समुद्री व्यापार और खोज में व्यस्त थे। लेकिन लंबी यात्रा का डर, मौसम की अनिश्चितता का डर, समुद्र का डर और अंततः अज्ञात के डर ने उन्हें लम्बी समुद्री यात्रा में जाने से रोक दिया। बहादुर और साहस वाले व्यक्ति ने समुद्र की इस चुनौती को स्वीकार किया और लंबी तथा असंभव यात्रा शुरू की। उन्होंने सभी प्रतिकूलताओं के खिलाफ जाने और नई दुनिया की खोज करने का जोखिम उठाया। इसके परिणामस्वरूप एक नए समुद्री मार्ग की खोज हुई और

उन्हें न केवल थोड़े समय में अधिशेष व्यापार के रूप में मिला, बल्कि लंबे समय तक उनका नाम भारतीय उपमहाद्वीप में आने वाले पहले व्यक्ति के रूप में इतिहास के पन्नों पर अंकित हो गया और उनका नाम है वास्को डी गामा। डर एक प्राकृतिक मानवीय भावना है जो अक्सर जोखिम लेने में बाधा के रूप में कार्य करती है। यह एक शक्तिशाली प्रभाव है जो व्यक्तियों को पंगु बना सकती है, उन्हें उनकी वास्तविक क्षमता प्राप्त करने से रोक सकती है।

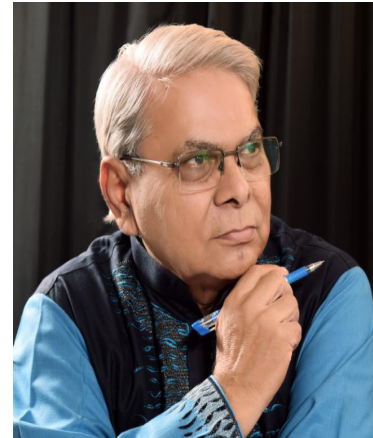


भारतीय उपमहाद्वीप के साथ यूरोपीय व्यापार शुरू हुआ। जोखिम उठाने का परिणाम उन्हें न केवल थोड़े समय में अधिशेष व्यापार के रूप में मिला, बल्कि लंबे समय तक उनका नाम भारतीय उपमहाद्वीप में आने वाले पहले व्यक्ति के रूप में इतिहास के पन्नों पर अंकित हो गया और उनका नाम है वास्को डी गामा। डर एक प्राकृतिक मानवीय भावना है जो अक्सर जोखिम लेने में बाधा के रूप में कार्य करती है। यह एक शक्तिशाली प्रभाव है जो व्यक्तियों को पंगु बना सकती है, उन्हें उनकी वास्तविक क्षमता प्राप्त करने से रोक सकती है। यह शोध किया गया है कि कैसे डर के साथ रहना हमें जोखिम लेने से रोक सकता है, विकास और सफलता के अवसरों से वंचित कर सकता है। हालाँकि, यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकले बिना, हम कभी भी जीवन में सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त नहीं कर पाएंगे। जोखिम लेने के सकारात्मक पहलुओं की जांच करके, हम डर पर काबू पाने और व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के अवसरों को अपनाने के महत्व को समझ सकते हैं। जोखिम लेने की क्षमता में सबसे बड़ा स्पीड ब्रेकर: डर डर विभिन्न रूपों में प्रकट हो सकता है, जैसे असफलता, असवीकृति या अज्ञात का डर। यह व्यक्तियों को अलग-अलग तरह से प्रभावित करता है और उनकी निर्णय लेने की क्षमता पर असर डाल सकता है। हमारे पास पानीपत की तीसरी लड़ाई का एक बड़ा उदाहरण है जहां दुर्यमन का

डर खुद से ज्यादा शक्तिशाली था। इसने मराठों को मानसिक रूप से बीमार बना दिया और उनके निर्णय खंडित हो गए, और इससे मराठाओं की सबसे बड़ी हार हुई। लोग अक्सर अपनी वर्तमान परिस्थितियों के साथ सहज हो जाते हैं, जोखिम लेने के बजाय अपने आराम क्षेत्र के दायरे में रहना पसंद करते हैं। असफलता का डर व्यक्तियों को पीछे धकेल देता है, क्योंकि वे शर्मिंदगी, निराशा या वित्तीय नुकसान जैसे संभावित परिणामों से डरते हैं। डॉक्यूमेंट्री 14 पृष्ठ में, हम उस आदमी को देखते हैं जिसे किसी चीज का डर नहीं है, वह आसानी से जोखिम ले सकता है और कल्पना से परे जा सकता है। उस एक युवा ने मजबूत मानसिकता के साथ 14 चोटियों पर विजय प्राप्त की। साथ ही, यह डर एक बाधा बन जाता है, जो उन्हें नई संभावनाएं तलाशने से रोकता है। लोग नई चीजें हासिल करने के बजाय आसान चीजों में लग जाते हैं। लोग नई चीजों का आविष्कार करने या अपना खुद का स्टार्टअप बनाने के बजाय और सुस्थित नौकरियों में चले जाते हैं। इसके अलावा, डर से आत्मविश्वास और अपने ऊपर भरोसे की कमी भी हो सकती है। जो व्यक्ति लगातार डर के साथ जी रहे हैं, वे अपनी क्षमताओं पर संदेह करते हैं और जोखिम लेने के साथ आने वाली चुनौतियों के लिए खुद को तैयार नहीं पाते हैं। सिडनी बॉक्सिंग डे टेस्ट में सचिन तेंदुलकर पहली पारी में अपनी कम क्षमता के कारण नहीं बल्कि ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद के डर के

कारण आउट हुए। अगली पारी में उन्होंने किसी भी ऑफ स्टंप से बाहर की गेंद को न खेलने का जोखिम उठाने के लिए मानसिक रूप से तैयारी की और इसके परिणामस्वरूप ऐतिहासिक दोहरा शतक बनाया। र व्यक्तियों को किसी भी स्थिति के नकारात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करता है, जिससे जोखिम के विपरीत मानसिकता पैदा होती है। वे अज्ञात क्षेत्र में जाने की बजाय यथास्थिति पर कायम रहने के इच्छुक हो सकते हैं। जोखिम लेने के प्रति यह नापसंदगी किसी की क्षमता को सीमित कर सकती है और व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों क्षेत्रों में प्रगति में बाधा उत्पन्न कर सकती है। जोखिम उठाएं और सार्थक परिणाम प्राप्त हों। हालाँकि डर के साथ जीना सुरक्षित और आरामदायक लग सकता है, लेकिन यह अंततः व्यक्तियों को जीवन से सर्वश्रेष्ठ प्राप्त करने से रोकता है। महात्मा गांधी ने बिल्कुल नई तरह का सत्याग्रह शुरू करने का जोखिम उठाया। कई लोगों ने उनकी आलोचना की लेकिन उनके अनोखे विचार ने न केवल उन्हें महात्तम नेताओं में से एक बनाया बल्कि देश की आजादी हासिल करने में भी मदद की। व्यक्तिगत विकास, नवाचार और सफलता के लिए जोखिम उठाना आवश्यक है। जोखिम उठाना व्यक्तियों को अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकलने की चुनौती देता है, जिससे उन्हें नए अवसरों और अनुभवों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

सभी श्रमिकों को सुरक्षित निकलने में कामयाब हुए फौलादी इरादे



लेखक : अशोक मधुप

दुनिया भर की दुआएं काम आ गईं। फौलादी इंसानी इराओं के आगे आखिर चट्टान हार गई। उत्तराखंड के उत्तरकाशी की सिल्व्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को आखिरकार 17 वें दिन बाहर निकाल लिया गया। उन्हें मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। खुद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केंद्रीय मंत्री जयराम वीके सिंह दोनों लगातार सुरंग के पास डटे रहे। पीएनएल के प्रधान सचिव पीके मिश्र भी मौके पर मौजूद रहे। सबसे पहले पांच श्रमिकों को बाहर निकाला गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरे घटनाक्रम पर नजर रखे थे। उन्होंने एक श्रमिक से खुद बात की। उत्तराखंड सरकार ने प्रत्येक श्रमिक को एक-एक लाख रूपया देने की घोषणा की। एि आपरेशन प्रदेश और केंद्र सरकार के संयुक्त प्रयास से कामयाब हुआ। सरकार की 17 एजेंसी के अलावा विदेशी विशेषज्ञ भी इसमें लगे रहे। यह बहुत ही अच्छा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस तरह के प्रत्येक मामले में खुद रूचि लेने लगते हैं। इस मामले में भी ऐसा ही हुआ। आपरेशन के उपकरण लाने के लिए सेना के हरक्युलिस विमान का प्रयोग हुआ। अमेरिका की ड्रिल करने वाली आगर मशीन तक लाकर लगाई गई। इस मामले में ऐसा नहीं हुआ कि अकेले एक ही एजेंसी

यह पहला अभियान नहीं था। वर्ष 2010 में चिली में कॉपर-सोने की खदान में काम करने वाले 33 श्रमिकों को 69 दिनों के लंबे अंतराल के बाद खदान से सकुशल बाहर निकाला गया था। ये खदान में काम करते थे। खदान में रास्ता अचानक टूटा और सभी लोग 700 मीटर नीचे फंस गए। 113 नवंबर 1989 को पश्चिम बंगाल के रानीगंज की महाबीर खदान में 71 मजदूर अपना काम करते खदान में बाढ़ आने से फंस गए थे। इनमें से छह की दुबने से मौत हो गई। सुरंग के बराबर दूसरी सुरंग खोदकर 65 मजदूरों को बचाया जा सका था। 23 जून 2018 को थाईलैंड में 12 बच्चे यहां एंशेल से लंबी गुफा में फंस गए थे। थाईलैंड सरकार ने विदेशों से मदद मांगी। 1100 तैराक दुनिया भर से बुलाए गए। 118 दिन बाद ये बच्चे सकुशल निकल आए। उत्तरकाशी की सिल्व्यारा सुरंग घटना के बाद से मीडिया में आ रहा है कि हिमालय में सुरंग नहीं बननी चाहिए। इससे पहाड़ दरक रहे हैं। बड़े हादसे हो सकते हैं। जबकि विकास कार्य करते इस तरह



बचाव में जुटी रही हो। पूरे देश का तंत्र इसमें लगा था। इस अभियान में सभी सुरक्षा एजेंसी की एकजुटता भी सामने आई। अन्यथा अन्य जगह सबकी अपनी-अपनी दपली सबका अपना-अपना राग होता है। यह पहला अभियान नहीं था। वर्ष 2010 में चिली में कॉपर-सोने की खदान में काम करने वाले 33 श्रमिकों को 69 दिनों के लंबे अंतराल के बाद खदान से सकुशल बाहर निकाला गया था। ये खदान में काम करते थे। खदान में रास्ता अचानक टूटा और सभी लोग 700 मीटर नीचे फंस गए। 113 नवंबर 1989 को पश्चिम बंगाल के रानीगंज की महाबीर खदान में 71 मजदूर अपना काम करते खदान में बाढ़ आने से फंस गए थे। इनमें से छह की दुबने से मौत हो गई। सुरंग के बराबर दूसरी सुरंग खोदकर 65 मजदूरों को बचाया जा सका था। 23 जून 2018 को थाईलैंड में 12 बच्चे यहां एंशेल से लंबी गुफा में फंस गए थे। थाईलैंड सरकार ने विदेशों से मदद मांगी। 1100 तैराक दुनिया भर से बुलाए गए। 118 दिन बाद ये बच्चे सकुशल निकल आए। उत्तरकाशी की सिल्व्यारा सुरंग घटना के बाद से मीडिया में आ रहा है कि हिमालय में सुरंग नहीं बननी चाहिए। इससे पहाड़ दरक रहे हैं। बड़े हादसे हो सकते हैं। जबकि विकास कार्य करते इस तरह

का हादसा होता है। ऐसी बात होती है। ये भारत में नहीं पूरी दुनिया में होता है। हादसे होते हैं। होते रहेंगे। किंतु इससे विकास का पहिया तो नहीं रोका जा सकता। सड़के बनाना तो नहीं रूक सकता। ये सड़क चारधाम यात्रा को सुगम बनाने के साथ देश की सीमा से जोड़ने के लिए बनाई जा रही है। बार्डर तक सेना और उसके भारी उपकरणों की सरल आवाजाही के लिए बनाई जा रही है। ये तो देश की बड़ी जरूरत है। पहाड़ों पर जब भी विकास होता है तभी कुछ अपने को विशेषज्ञ मानने वाले और पर्यावरणविद शोर मचाते लगते हैं। इनका यही कहना रहता है कि इससे पहाड़ दरकेगे। वहां का पर्यावरण संतुलन बिगड़ेगा। टिहरी डैम बनते भी ऐसा ही हुआ था। इससे विरोध में लंबा आंदोलन चला था। इस परियोजना के विरोध में तो पर्यावरणाविद सुंदरलाल बहुगुणा ने तो 1995 में 45 दिन तक उपवास किया। इन सबके बावजूद टिहरी डैम बन गया। केदारनाथ आपदा के समय पहाड़ों से आए भारी जल को इसी डैम में लिया गया। इसी के कारण प्लेन में होने वाली भारी आपदा टल गई। अगर पानी टिहरी डैम में न लिया जाता तो नीचे प्लेन में भारी तबाही का सामना करना पड़ता। पहाड़ों में विकास कार्य के दौरान ही हादसे नहीं

होते। हादसे सभी जगह होते हैं। कहीं बनते पुल गिर जाते हैं तो कहीं कार्य में लगी विशाल क्रेन श्रमिकों पर आ गिरती है। अभी 23 अगस्त को मिजोरम के सैरंग इलाके के पास एक निर्माणधीन रेलवे पुल गिरने से 17 मजदूरों की मौत हो गई। 18 मई 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी में वाराणसी कैंट से लहरतारा के बीच बन रहे पुल के गिरने से 18 श्रमिक मरे। 31 मार्च 2016 को कोलकाता का विवेकानन्द प्लाईओवर गिरने से क्रांशिंग से गुजर रहे 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, जबकि 90 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। हादसे होते हैं। होते रहेंगे। इनकी वजह से विकास कार्य नहीं रोके जा सकते। हादसे होने और कार्य नहीं करती। इन्हीं के कारण हादसे जन्म लेते हैं। इस हादसे में भी ऐसा ही हुआ। बताया जाता है कि इस सुरंग के बराबर में एक और सुरंग बननी थी। दोनों सुरंगों को बीच-बीच में आपस में जोड़ा जाना था। सुरंग निमाता कंपनी और निर्माण के मानकों की जांच में लगी एजेंसियों के अधिकारियों की जिम्मेदारी तै होनी चाहिए।

राम मंदिर का मुद्दा विधानसभा के चुनावों के बाद लोकसभा चुनाव का भी बनेगा बड़ा मुद्दा



लेखक : अशोक भाटिया

मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम के विधानसभा चुनाव को 2024 का सीमाफाइनल माना जा रहा है। हिंदी पट्टी वाले तीन राज्यों में बीजेपी बनाम कांग्रेस की सीधी लड़ाई है, तो तेलंगाना में त्रिकोणीय मिजोरम में दो क्षत्रों के बीच मुकाबला है। ऐसे पांच राज्यों के चुनाव में जीत-हार के नतीजों को अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। 2014 और 2019 की जीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी 2024 में एक बार फिर लोकसभा चुनाव जीतकर सत्ता की हैट्टिक लगाना चाहते हैं। इसका सारा दारोमदार पांच राज्यों के चुनाव के चुनाव के रिजल्ट पर टिका है, क्योंकि इसके नतीजे कहीं न कहीं 2024 के नतीजों को प्रभावित कर सकते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में भी राम मंदिर एक बड़ा मुद्दा रहा और आगामी यानी 2024 के लोकसभा चुनाव में भी राम मंदिर बड़ा मुद्दा रहेगा। फर्क सिर्फ इतना है के 2019 के लोकसभा चुनाव में बात हो रही थी भव्य राम मंदिर के निर्माण की, लेकिन 2024 में बात होगी रामलला के लंबे इंतजार के

राम नगरी अयोध्या में एक तरफ जहां भव्य राम मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है तो वहीं दूसरी ओर रामनगरी को सजाने संवराने और आध्यात्मिक पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने का काम भी दिन रात किया जा रहा है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले राम मंदिर का मुद्दा बहुत तेजी से तूल पकड़ रहा है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण अपने पूजन में शामिल होगे। मुख्यमंत्री योगी, राज्यपाल प्रोदोकाल शिष्टाचार के तहत प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होंगे। एक लंबे इंतजार के बाद आखिरकार राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा की तारीख तय हो गई है, दिन भी निश्चित है। राम मंदिर ट्रस्ट की तरफ से चार प्रतिनिधि मंडलों के दल ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के लिए प्रधानमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात कर उनको आमंत्रित भी कर दिया है। श्रीराम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के



लिये निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- धन्य महसूस कर रहा हूँ। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा कि वह खुद को धन्य महसूस कर रहे हैं और यह उनका सौभाग्य है कि वह अपने जीवनकाल में, इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनेंगे। प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित पर शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने चुटकी लेते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी को निमंत्रित करने की कोई जरूरत नहीं है। वो खुद इतने बड़े कार्यक्रम से दूर नहीं रह सकते। यह शब्द राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास ने विपक्षी नेताओं की टिप्पणियों की आलोचना करते हुए कहा कि भगवान राम का विषय करने वाले सड़कों पर घूम रहे हैं और ऐसा करना जारी भी रखेंगे। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में राम लला मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह के लिए औपचारिक निमंत्रण मिलने के बाद, विपक्षी नेताओं ने सवाल उठाया कि क्या वह लोकसभा चुनाव से ठीक पहले सिर्फ एक पार्टी का कार्यक्रम बन जाएगा। संजय राउत को सिर्फ

चुनाव दिखाता है लेकिन प्रतिष्ठा समारोह आस्था और श्रद्धा का विषय है। आचार्य सत्येन्द्र दास ने कहा कि लोग अपनी मानसिकता के अनुसार बात करते हैं, संजय राउत को सिर्फ चुनाव दिखाता है। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा आस्था का, विश्वास का, भक्ति का विषय है और इसके लिए प्रधानमंत्री को आमंत्रित किया गया है। इससे पहले ही उन्होंने भूमिपूजन किया था। अब जय मंदिर लगभग बन चुका है, और इसकी प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी (2024) को होगी, तो प्रधानमंत्री को आमंत्रित किया गया है और उन्होंने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। यह बलिदानों के बारे में नहीं है, यह भक्ति और विश्वास के बारे में है। दास ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को भगवान राम का आशीर्वाद है इसलिए वह सत्ता में हैं लेकिन जिन्होंने भगवान राम के अस्तित्व को नकार दिया वे सड़कों पर घूम रहे हैं और आगे भी घूमते रहेंगे। इन सब बातों से बेखबर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स/ट्विटर पर पोस्ट कर राष्ट्र को उस क्षण के बारे में जानकारी दी, जिसकी प्रतीक्षा वह करीब 500 साल से कर रहा है।

सोने में मामूली बढ़त तो चांदी के दाम हुए कम

- घरेलू वायदा बाजार में चांदी के भाव में गिरावट देखने को मिल रही है।ए मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी 158 रुपये सस्ती होकर 74८648 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर

परिवहन विशेष न्यूज

भारत में शादियों का सीजन ;शादी के सीजन में सोने का भावद्ध चल रहा है।इस समय मार्केट में ज्वेलरी डिमांड अचानक बढ़ जाती है।इस अगर आप भी सोने के गहने खरीदने के बारे में सोच रहे हैं तो जान लें कि सोने की कीमत में मामूली उछाल दर्ज किया जा रहा है।ए मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना मंगलवार को 70 रुपये प्रति 10 ग्राम की उछाल के साथ 61ए६10 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बना हुआ है

वहीं पहले के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को सोना 61ए५40 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था

संक्षिप्त खबरें

काले धन से संबंधित

एसआईटी जल्द आठवीं

अंतरिम रिपोर्ट जमा करेगी, उपाध्यक्ष पसायत ने कही यह बात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने मई 2014 में सत्ता में आने के बाद अपनी पहली कैबिनेट बैठक में उच्चतम न्यायालय के निदेशानुसार एसआईटी के गठन को मंजूरी दी थी।

पिछले नौ साल में एसआईटी ने सात अंतरिम रिपोर्ट शीर्ष अदालत को सौंपी हैं।

काले धन का पता लगाने के लिए उच्चतम न्यायालय की ओर से नियुक्त विशेष जांच दल (एसआईटी)

जल्द ही अपनी अंतरिम रिपोर्ट शीर्ष अदालत को सौंपेगा।

एसआईटी के उपाध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरिजीत पसायत ने यहां यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने मई 2014 में सत्ता में आने के बाद अपनी पहली कैबिनेट बैठक में उच्चतम न्यायालय के निदेशानुसार एसआईटी के गठन को मंजूरी दी थी।

पिछले नौ साल में एसआईटी ने सात अंतरिम रिपोर्ट शीर्ष अदालत को सौंपी हैं। न्यायमूर्ति पसायत ने देश में काले धन का पता लगाने और उस पर रोकथाम के सिलसिले में केंद्र और राज्य सरकारों के अधिकारियों के साथ मंगलवार को यहां अपने आवास पर बैठक की। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, आयकर विभाग, प्रवर्तन निदेशालय, सीमाशुल्क और उत्पाद शुल्क विभाग और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर विभाग के अधिकारियों की बैठक दो घंटे से अधिक समय तक चली जिसमें भारत और विदेशों में काले धन का पता लगाने और इस पर रोकथाम के लिए लागू होने वाले तरीकों के बारे में चर्चा की गई।

न्यायमूर्ति पसायत ने देश में काले धन का पता लगाने और उस पर रोकथाम के सिलसिले में केंद्र और राज्य सरकारों के अधिकारियों के साथ मंगलवार को यहां अपने आवास पर बैठक की। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, आयकर विभाग, प्रवर्तन निदेशालय, सीमाशुल्क और उत्पाद शुल्क विभाग और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर विभाग के अधिकारियों की बैठक दो घंटे से अधिक समय तक चली जिसमें भारत और विदेशों में काले धन का पता लगाने और इस पर रोकथाम के लिए लागू होने वाले तरीकों के बारे में चर्चा की गई।

रेहड़ी पटरी वालों के लिए एक विशेष सूक्ष्म ऋण सुविधा

परिवहन विशेष न्यूज

पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्म निर्भर निधि ;स्वनिध्द योजना जून 2020 में एक माइक्रो.क्रेडिट सुविधा के रूप में शुरू की गई थी। जिसका उद्देश्य स्ट्रीट वेंडरों को कोविड .19 महामारी के परिणामस्वरूप हुए नुकसान की भरपाई के लिए सशक्त बनाना है।

आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने स्ट्रीट वेंडरों को न केवल ऋण प्रदान करके बल्कि उनके समग्र विकास और आर्थिक उत्थान के लिए उन्हें सशक्त बनाने के लिए एक योजना पीएम स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि ;पीएम स्वनिध्द शुरू की है। इस योजना का उद्देश्य लगभग 50 लाख स्ट्रीट वेंडरों को एक साल के कार्यकाल के लिए 10ए०00 रुपये तक के संपाश्विक मुक्त कार्यशील पूंजी ऋण की सुविधा प्रदान करना है ताकि आसपास के उ.प.शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों सहित शहरी क्षेत्रों में अपने व्यवसायों को फिर से शुरू करने में मदद मिल सके।

स्ट्रीट वेंडर शहरी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था के एक बहुत ही महत्वपूर्ण घटक का प्रतिनिधित्व करते हैं और शहवासियों के दरवाजे पर सस्ती दरों पर वस्तुओं और सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन्हें अलग.अलग क्षेत्रों और संदर्भों में विक्रेता फेरीवाले।उलेवाले। रेहड़ीवाले।उले।पड़वाला आदि के रूप में जाना जाता है। उनके द्वारा आपूर्ति की जाने वाली वस्तुओं में सज्जियाएं फल।ए रेडों. टू.ईट स्ट्रीट फूड।ए चाय।ए पकौड़े।ए ब्रेड।ए अंडे।ए कड़ाए।परिधान।ए जुते।ए कारीगर उत्पाद।किताबें।रेसमारी आदि शामिल



क्या हैं चांदी के भाव घरेलू वायदा बाजार में चांदी के भाव में गिरावट देखने को मिल रही है।ए मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी 158 रुपये सस्ती होकर 74८६48 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर ;चांदी की कीमत आजद्ध पर बनी हुई है।ए वहीं सोमवार को चांदी 74८८52 रुपये पर बंद हुई थी।ए ऐसे में चांदी की शॉपिंग पर आपकी आज बचत होगी

प्रमुख शहरों के सोने के रेट जानें. ;22 कैरेट और 24 कैरेटद्ध

● चेन्नई. 22 कैरेट सोने का दाम 57ए८00 रुपये।ए 24 कैरेट सोना 6३ए०50 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है

● मुंबई. 22 कैरेट सोने का दाम 57ए३60 रुपये।ए 24 कैरेट सोना 62ए५60 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है।ए

● दिल्ली. 22 कैरेट सोने का दाम 57ए५00 रुपये।ए 24 कैरेट सोना 62ए710 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है

● कोलकाता. 22 कैरेट सोने का दाम 57ए३50 रुपये।ए 24 कैरेट सोना 62ए५60 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है

● पुणे. 22 कैरेट सोने का दाम 57ए३50 रुपये।ए 24 कैरेट सोना 62ए५60 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है

● जयपुर. 22 कैरेट सोने का

दाम 57ए५00 रुपये।ए 24 कैरेट सोना 62ए710 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है

● लखनऊ. 22 कैरेट सोने का दाम 57ए५00 रुपये।ए 24 कैरेट सोना 62ए710 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है

● पटना. 22 कैरेट सोने का दाम 57ए400 रुपये।ए 24 कैरेट सोना 62ए610 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है

● नोएडा. 22 कैरेट सोने का दाम 57ए५00 रुपये।ए 24 कैरेट सोना 62ए710 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है

● इंदौर. 22 कैरेट सोने का दाम 57ए५00 रुपये।ए 24 कैरेट सोना 62ए610 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है

प्रमुख शहरों में चांदी के रेट जानें

● चेन्नई.चांदी 81ए५00 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है।ए

● दिल्ली. चांदी 78ए५00 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है।ए

● कोलकाता. चांदी 78ए५00 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है

एसएफबी ग्राहकों को केवल 3 साल की एफडी पर ऑफर कर रहे 8.60 फीसदी तक का ब्याज

- जन स्मॉल फाइनेंस बैंक और उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक तीन साल की एफडी पर 8.50 फीसदी का ब्याज दर ऑफर कर रहे हैं

परिवहन विशेष न्यूज

निवेश के कई विकल्प मौजूद होने के बावजूद भी लोग एफडी स्कीम में पैसे लगाना बहुत पसंद करते हैं।ए हम आपको ऐसे स्मॉल सेविंग बैंकों के बारे में बता रहे हैं जो बाकी बैंकों की तुलना में ग्राहकों को केवल तीन साल की अवधि में तगड़े ब्याज दर का लाभ दे रहे हैं।इस लिस्ट को बैंक बाजार के डाटा के आधार पर बनाया गया है।ए

सूच्यंद स्मॉल फाइनेंस बैंक तीन साल की एफडी पर ग्राहकों को 8.60 फीसदी ब्याज दर ऑफर कर रहा है।ए ऐसे में अगर आप 1 लाख रुपये कुल



तीन साल के लिए निवेश करते हैं तो आपको 1.29 लाख रुपये मैच्योरिटी पर मिलेगी।ए

जन स्मॉल फाइनेंस बैंक और उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक तीन साल की एफडी पर 8.50 फीसदी का ब्याज दर ऑफर कर रहे हैं।ए ऐसे में एक लाख रुपये के निवेश पर आपको 1.29 लाख रुपये का रिटर्न मिलेगा।ए

फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक तीन साल की एफडी पर 8.11 फीसदी का ब्याज ऑफर कर रहा है।ए ऐसे में 1 लाख रुपये के निवेश पर आपको

1.27 लाख रुपये का रिटर्न मिलेगा।ए

एण्यु स्मॉल फाइनेंस बैंक अपने ग्राहकों को 3 साल की एफडी पर 8 फीसदी ब्याज दर ऑफर कर रहा है।ए ऐसे में 1 लाख रुपये तीन साल के लिए निवेश करने पर आपको 1.27 लाख रुपये का रिटर्न मिलेगा।ए

नॉर्थ ईस्ट स्मॉल फाइनेंस बैंक ग्राहकों को 7.75 फीसदी का ब्याज दर तीन साल की एफडी पर ऑफर कर रहा है।ए ऐसे में 1 लाख रुपये के बदले आपको तीन साल बाद 1.26 लाख रुपये मिलेंगे

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण पहली बार 4000 अरब अमेरिकी डॉलर के स्तर पर

- सेंसेक्स इस साल अग्री तक 5,540.52 अंक यानी 9.10 प्रतिशत बढ़ चुका है।सूचकांक पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण करीब 50.81 लाख करोड़ रुपये बढ़ा है।

परिवहन विशेष न्यूज

बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण पहली बार बुधवार को 4000 अरब डॉलर के रिकर्ड स्तर पर पहुंच गया। बीएसई का 30 शेयर वाला संसेक्स शुरूआती कारोबार में 305.44 अंक चढ़कर 66,479.64 पर रहा। बाजार के सकारात्मक रुख के



दम पर बीएसई-सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण सुबह के कारोबार में 3,33,26,881.49 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो बाद में 83.31 की विनिमय दर पर चार हजार अरब अमेरिकी डॉलर में तब्दील हो गया। संसेक्स इस साल अभी तक 5,540.52 अंक यानी 9.10 प्रतिशत बढ़ चुका है। सूचकांक पर सूचीबद्ध सभी

कंपनियों का बाजार पूंजीकरण करीब 50.81 लाख करोड़ रुपये बढ़ा है। बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक इस साल 15 सितंबर को 67,927.23 के अपने सर्वकालिक शिखर पर पहुंच गया था।

अन्य बाजारों में अमेरिका, चीन, जापान और हांगकांग ऐसे बाजार हैं

● पुणे. चांदी 78ए५00 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है

● जयपुर. चांदी 78ए५00 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है।ए

● लखनऊ. चांदी 78ए५00 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है

● पटना. चांदी 78ए५00 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है

● नोएडा. चांदी 78ए५00 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है

● इंदौर. चांदी 78ए५00 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत में तेजी जारी

चरेल् बाजार के अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने में जबरदस्त उछाल दर्ज किया जा रहा है।मेटल रिपोर्ट के अनुसार सोना 16 मई 2023 के बाद अपने उच्चतम स्तर 2ए०1412 प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है

वहीं अमेरिका में सोने की कीमत 2ए०1420 प्रति औंस पर पहुंच गई है।ए चांदी के साथ की बात करें तो इसमें कमी देखी जा रही है।ए और फिलहाल यह 03 फीसदी की कमी के साथ 2455 डॉलर प्रति औंस पर बनी हुई है

यदि आप सही जीवन बीमा पॉलिसी चुनना चाहते हैं तो निम्नलिखित पांच बातों का ध्यान अवश्य रखें

परिवहन विशेष न्यूज

जीवन बीमा पॉलिसी खरीदना अब उतना आसान नहीं रह गया है जितना कि एक दशक पहले तक हुआ करता था। मसलन, पिछले लगभग दस वर्षों में जीवन बीमा पॉलिसी के क्षेत्र में व्यापक बदलाव आया है, जिसके दृष्टिगत बीमाकर्ता अपने ग्राहकों की आधुनिक जरूरतों के साथ अधिक से अधिक जुड़ रहे हैं। और अधिकाधिक उत्पाद पेश कर रहे हैं। वहीं, उपभोक्ताओं के लिए इसका मतलब है कि उनके लिए विकल्पों की भरमार है और वो अपने मनपसंद उत्पाद में निवेश कर सकते हैं। हालांकि यह निस्संदेह एक फायदा है, जो सही प्रकार के उत्पादों और आपके लिए आवश्यक कवर की मात्रा का निर्णय करना बहुत अधिक भ्रमित करने वाला हो गया है। इसलिए यदि आप भी इस दुविधा भरी



स्थिति का सामना कर रहे हैं कि आपके लिए सही कवर क्या है, तो निम्नलिखित युक्तियों आपके बहुत काम आएंगी। लिहाजा आप इन पर गौर कीजिए और विवेकसम्मत निर्णय लीजिए। या फिर इस क्षेत्र के विशेषज्ञों की राय लीजिए।

● अपनी सभी छोटी-बड़ी आवश्यकताओं का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करें और सभी-विचार करके सटीक निर्णय लें। आपके अकस्मात गुजर जाने के बाद आपके अपने परिवार को किसी भी वित्तीय परेशानी से बचाने के लिए आपको जीवन बीमा

है, उसके बाद एनपीएस ग्राहक अपनी पसंदीदा रकम एक नियमित अंतराल पर व्यवस्थित रूप से निकाल सकते हैं। वहीं, ग्राहकों की अवगत कराने के लिए, नियामक ने केंद्रीय रिकर्ड कीपींग एजेंसियों (सीआरए) से उन्हें नवीनतम परिवर्तनों से अवगत रखने का आग्रह किया है। बताया जाता है कि पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट ऑथोरिटी (पीएफआरडीए) ने सिस्टेमेटिक लंपसम निकासी (एसएलडब्ल्यू) की सुविधा दी है। जिसके बाद एनपीएस ग्राहकों को अपने सामान्य निकासी के समय अपनी पसंद के अनुसार 75 वर्ष की आयु तक की अवधि के लिए मासिक, तिमाही, छमाही या सालाना आधार पर एसएलडब्ल्यू (एसएलडब्ल्यू) के माध्यम से अपने पेंशन कोष का 60 प्रतिशत तक निकाल सकते हैं। इसलिए अब यह जानते हैं कि इस नए एनपीएस नियम से एनपीएस ग्राहकों को कैसे फायदा होगा। - क्या है एसएलडब्ल्यू (एसएलडब्ल्यू) और किन्हें मिलेगा इसका लाभ? गौरतलब है कि न्युचुअल फंड में जैसे सिस्टेमेटिक निकासी प्लान (एसडब्ल्यूपी) होता है, ठीक वही सुविधा अब एनपीएस ग्राहकों को मिली है, जिससे एनपीएस

ग्राहक अपनी पसंदीदा रकम एक नियमित अंतराल पर व्यवस्थित रूप से निकाल सकते हैं। क्योंकि एनपीएस ग्राहकों को रिटायरमेंट के बाद की पूरी अवधि के लिए एन्यूटी से बंधे रहने के बजाय अब यह तय करने की अनुमति मिल जाएगी कि वे अपने पैसेो को कितना और कब निकालना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि एसएलडब्ल्यू (एसएलडब्ल्यू) सेवानिवृत्त लोगों को समय-समय पर नकदी प्रवाह प्राप्त करने, उनकी सेवानिवृत्ति के बाद की आय बढ़ाने और नियमित खर्चों को कवर करने की अनुमति देता है। इस निकासी विधि को एक बार चुना जा सकता है, जिसका भुगतान एनपीएस ग्राहक की पसंद के अनुसार किया जाता है। एसएलडब्ल्यू (एसएलडब्ल्यू) उन सेवानिवृत्त लोगों के लिए एक आकर्षक ऑप्शन है जो अपनी रिटायरमेंट के वर्षों के दौरान लगातार आय का स्रोत चाहते हैं। जानिए, मौजूदा नियम क्या हैं और अब क्या-क्या बदल गया है? इसे चुनने के क्या-क्या फायदे होंगे? यहां पर यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि निवेशकों को वर्तमान में परिपक्वता पर अपने एनपीएस कोष का केवल 60 प्रतिशत धनराशि ही एकमुश्त निकालने की अनुमति है।

मवन निर्माण श्रमिकों के लिए बनेगा विशिष्ट पहचान पत्र, आधार और ई-श्रम डाटाबेस जोड़ा जाएगा

- श्रम सचिव आरटी आहुजा ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई आज दिल्ली में है या कल मुंबई में श्रमिक परिवार के अधिकार सुलभ होने चाहिए।

परिवहन विशेष न्यूज

श्रम सचिव आरटी आहुजा ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई आज दिल्ली में है या कल मुंबई में श्रमिक परिवार के अधिकार सुलभ होने चाहिए। उन्होंने 'द माइग्रेशन कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। सरकार देश भर में सभी भवन और निर्माण श्रमिकों के लिए एक विशिष्ट पहचान पत्र अनिवार्य अनिवार्य करने वाली। इसके जरिये प्रवासी श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाएगी। इस विशिष्ट पहचान पत्र



को आधार और ई-श्रम डेटाबेस से भी जोड़ा जाएगा ताकि श्रमिकों को आसानी से सरकार के विभिन्न पहलों का लाभ मुहैया कराया जा सके। श्रम सचिव आरटी आहुजा ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई आज दिल्ली में है या कल मुंबई में श्रमिक परिवार के अधिकार सुलभ होने चाहिए। वरिष्ठ अधिकारी ने राष्ट्रीय राजधानी में अंतरराष्ट्रीय श्रम

- इस विशिष्ट पहचान पत्र को आधार और ई-श्रम डेटाबेस से भी जोड़ा जाएगा ताकि श्रमिकों को आसानी से सरकार के विभिन्न पहलों का लाभ मुहैया कराया जा सके। श्रम सचिव आरटी आहुजा ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई आज दिल्ली में है या कल मुंबई में श्रमिक परिवार के अधिकार सुलभ होने चाहिए। वरिष्ठ अधिकारी ने राष्ट्रीय राजधानी में अंतरराष्ट्रीय श्रम

सितारे परियोजना क्या है और क्या हैं इसके फायदे



अंतर्गत शामिल किया गया है।

- यह परियोजना समग्र शिक्षा योजना के माध्यम से क्रियान्वित करती है।
- स्वायत्त निकाय।ए परख ;समग्र विकास के लिए प्रदर्शन मूल्यांकन।ए समीक्षा और ज्ञान का विशेषणद्ध भी स्थापित किया गया है।ए विशेष रूप से स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग।ए शिक्षा मंत्रालय ;एमओईद्ध के तहत शिक्षा प्रणाली के लिए।
- आत्मनिर्भर भारत अभियान के एक हिस्से के रूप में पीएम ई.विद्या।ए मौलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता मिशन और प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और शैक्षणिक ढांचे की पहल पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- स्टार्स के समान एक परियोजना भी शुरू की गई है जिसे एशियाई विकास बैंक ;एडीबीद्ध द्वारा वित्त पोषित किया गया है और पांच भारतीय राज्यों जैसे. गुजरात।ए असम।ए तमिलनाडु।ए झारखंड और उत्तराखंड में शिक्षा सुधार के लिए

काम किया जाएगा।

- पीसा या प्रोग्राम फॉर इंटरनेशनल स्टूडेंट असेसमेंट सर्वेक्षण के चक्र में भारत की भागीदारी को भी इस परियोजना द्वारा वित्त पोषित किया गया है। स्टार्स परियोजना के उद्देश्य इस परियोजना को कई सकारात्मक कारणों और उद्देश्यों से मंजूरी दी गई है। स्टार्स परियोजना को कुछ ऐसी महत्वपूर्ण विशेषताएं इस प्रकार हैं
- यह परियोजना छह राज्यों के हर जिले में शिक्षा नीति को मजबूत करने पर केंद्रित है
- किसी भी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में परियोजना स्कूलों के विकास और वृद्धि में मदद कर सकती है।
- कुछ राज्यों की शैक्षिक प्रणाली को संभालने वाली एक विशिष्ट संस्था के साथ स्कूलों में उचित शिक्षा और सुविधाओं के बीच संतुलन बनाए रखना सुविधाजनक हो जाएगा।
- वे न केवल उम्मीदवारों के सीखने के प्रतिशत में सुधार करेंगे बल्कि सीखने के स्तर में सुधार पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे।
- यह सुनिश्चित करने के लिए कि छात्रों के साथ साथ शिक्षकों द्वारा भी सीखने के आधुनिक रूपों को अपनया जा रहा है।ए शिक्षकों और संकाय को उचित प्रशिक्षण भी प्रदान

- किया जाएगा।
- स्टार्स बेहतर गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के लिए हितधारकों और अभिभावकों की मांगों को संबोधित करेंगे।
- यह कार्यक्रम भारत की मानव पूंजी मांग को बढ़ाने पर केंद्रित होगा। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने से सीखने का स्तर उन्नत होगा और अंततः भविष्य के लिए बेहतर युवा तैयार होंगे।
- यह परियोजना सतत विकास लक्ष्यों ;एसडीजीद्ध को भी लक्षित करेगी।
- स्टार्स परियोजना छात्रों को बेहतर और उच्चतम नौकरों के अवसर के लिए तैयार करने में मदद करेगी। साथ ही देश के हर शहर और जिले में छात्रों को शैक्षिक आवश्यकताओं को संबोधित करके देश के सभी के लिए शिक्षा के मकसद को मजबूत करेगी।
- स्टार्स कार्यक्रम सार्वजनिक स्कूल शिक्षा को मजबूत करने और रसभी के लिए शिक्षा प्रदान करने के देश के लक्ष्य का समर्थन करने के लिए भारत और विविध बैंक के बीच लंबी साझेदारी पर आधारित है।
- स्टार्स रसीखने के परिणामश चुनौती को संबोधित करने पर भारत के नए फोकस का समर्थन करेगा और सुधार पहलों की एक श्रृंखला के माध्यम से छात्रों को भविष्य की नौकरियों के लिए बेहतर तैयारी करने में भी मदद करेगा।



